दैनिक
# स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
epaper.swarnimpradesh.in
संरक्षक: मां वैष्णो देवी

**विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें**
अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
ईमेल: swarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

वर्ष : 8 • अंक : 346 • मुंबई, शुक्रवार 10 जुलाई, 2026 • पृष्ठ : 6 • मूल्य: 2 रुपये • संपादक : सुनील कुमार तिवारी • Email: swarnimpradesh@yahoo.com www.swarnimpradesh.in

## प्रधानमंत्री मोदी से आस्ट्रेलिया के पीएम अल्बानीज ने चीनी मिसाइल परीक्षण से जुड़ी चिंता साझा की

संवाददाता

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चीन की ओर से किए गए अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण को लेकर अपनी चिंता से अवगत कराया। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हिन्द-प्रशांत के प्रति शांति, सुरक्षा और स्थिरता का दृष्टिकोण रखता है। इस संबंध में भारत और ऑस्ट्रेलिया के साझा हित और लक्ष्य हैं।

हम न केवल इस विषय पर अपना पक्ष साझा करते हैं बल्कि शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सहयोग की दिशा में भी काम करते हैं।विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने आज प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रेलिया से जुड़ी दिनभर की गतिविधियों और दोनों नेताओं के बीच हुई वार्ता के संबंध में प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा पत्र और भारत-ऑस्ट्रेलिया समुद्री सुरक्षा सहयोग रोड मैप एक बड़ा महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। उन्होंने कहा कि यह घोषणापत्र इस बात की स्वीकारोक्ति है कि बदलती रणनीति परिस्थितियों के अनुरूप साझेदारी में विकास होना चाहिए।दोनों नेताओं

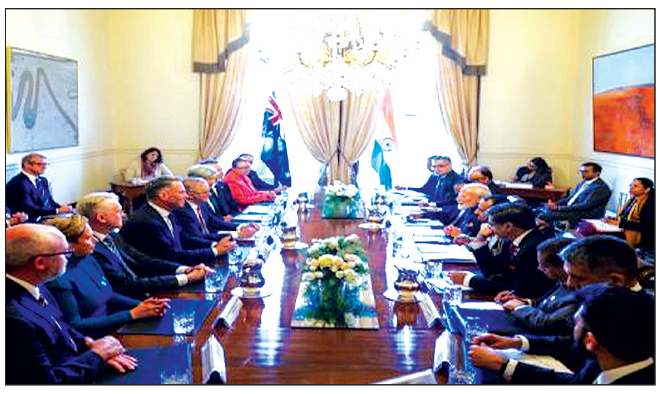

ने यह भी स्वीकार किया कि साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण और प्रौद्योगिकी सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर साझेदारी की महत्वाकांक्षा को बढ़ाने का समय आ गया है। इस यात्रा के दौरान कई अन्य समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए।ऑस्ट्रेलिया जल्द ही भारत को यूरेनियम की सप्लाई करने जा रहा है। विदेश सचिव ने इस पर कहा कि यह भारत की स्वच्छ ऊर्जा में रूपांतरण की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा पड़ाव है। उन्होंने बताया कि नाभिकीय समझौता होने के बावजूद रिपोर्टिंग से जुड़े विषयों के कारण यह अभी तक साकार नहीं हो पाया था। पिछले दो साल की बातचीत से इन सभी मुद्दों पर फ्रेमवर्क तैयार किया गया है।ऑस्ट्रेलिया की ओर से भारतीय छात्रों के वीजा आवेदनों के मूल्यांकन और उसमें हो रही देरी से जुड़े विषय पर विदेश सचिव ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया सरकार का कहना है कि इससे भारतीय छात्रों के वास्तविक अवसरों में कोई कमी नहीं आएगी। साथ ही विदेश सचिव ने इस बात का भी खंडन किया कि भारतीय छात्रों को आवेदन संबंधी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है।आतंक के मुद्दे पर विदेश सचिव ने कहा कि दोनों नेताओं ने इसकी भयावयता को स्वीकार किया। इसकी कड़े शब्दों में निंदा की और देशों से आह्वान किया कि दोहरे मापदंड के बजाय इसके खिलाफ मिलकर लड़ाई मजबूत करने की जरूरत है।विदेश सचिव ने कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने विश्वसनीय, किफायती और टिकाऊ ऊर्जा आपूर्ति का समर्थन करने के लिए सहयोग को गहरा करने में उद्योग-नेतृत्व वाली साझेदारी और रणनीतिक निवेश की केंद्रीय भूमिका को भी मान्यता दी है।मिस्त्री ने बताया कि दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन पर भी चर्चा की। यह दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण साझा उद्देश्य और चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी कॉप 31 बैठक के लिए वार्ता की अध्यक्षता कर रहे ऑस्ट्रेलिया के नेतृत्व को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब वह पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में ऑस्ट्रेलिया आए थे, तब 28 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा हुई थी। उन्होंने याद दिलाया कि तब उन्होंने वादा किया था कि अगली यात्रा के लिए 28 वर्ष का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले 12 वर्षों में यह उनकी तीसरी ऑस्ट्रेलिया यात्रा है, जो दोनों देशों के मजबूत होते संबंधों का प्रमाण है।प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया की प्रगति में योगदान दे रहे हैं लेकिन उनका मन और दिल भारत से हमेशा जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां प्रेम, संस्कृति और अपने संस्कारों की खुशबू फैलाते हैं।

## गो-तस्करी में बार-बार इस्तेमाल होने वाले वाहनों का रद्द होगा रजिस्ट्रेशन

### आदतन अपराधियों पर मकोका के तहत कार्रवाई: राज्यमंत्री पंकज भोयर

संवाददाता

**मुंबई।** महाराष्ट्र में गोवंश संरक्षण के लिए मौजूदा कानूनों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। गो-तस्करी और गोवंश की अवैध ढुलाई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। गो-तस्करी के लिए बार-बार इस्तेमाल होने वाले वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के संबंध में राज्य सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी। साथ ही आदतन अपराधियों के खिलाफ मकोका के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। यह जानकारी गृह राज्यमंत्री पंकज भोयर ने विधानसभा में दी।

बुधवार को विधानसभा सदस्य सुधीर मुनगंटीवार द्वारा उठाई गई आधे घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए राज्यमंत्री भोयर ने कहा कि राज्य में महाराष्ट्र प्राणी संरक्षण अधिनियम और गोवंश हत्या प्रतिबंध कानून को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गो-तस्करी की जानकारी देने वाले गोरक्षकों और शिकायतकर्ताओं का रिकॉर्ड रखा जाता है। अवैध गोवंश परिवहन के लिए इस्तेमाल किए गए वाहनों को जब्त किया जाता है और न्यायालय के आदेश के बाद ही छोड़ा जाता है। हालांकि, ऐसे वाहनों का दोबारा अपराध के लिए इस्तेमाल किए जाने के 17 मामले सामने आए हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर गो-तस्करी के मामलों में बार-बार पकड़े जाने वाले वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है।

**2025 में 1,195 मामले दर्ज, 9.81 लाख किलो से अधिक गोमांस जब्त**

राज्यमंत्री भोयर ने बताया कि वर्ष 2025 में गोवंश कानून का उल्लंघन करने के 1,195 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में 9 लाख 81 हजार 736 किलो गोमांस जब्त किया गया।इसके अलावा मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर लोनावला क्षेत्र में 57 टन मांस से भरे दो कंटेनर जब्त किए गए। मामले की गहन जांच के बाद हैदराबाद स्थित संबंधित बूचड़खाने को बंद कर दिया गया। इसके साथ ही क्षेत्र के चार से पांच अन्य अवैध बूचड़खानों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

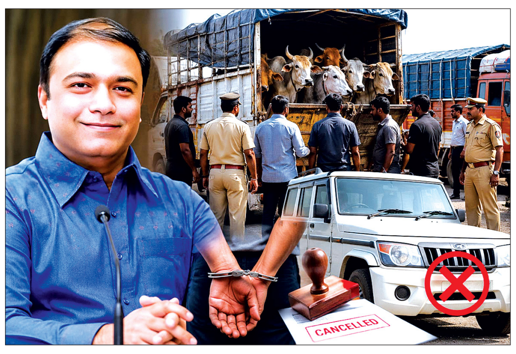


**सभी पशुधन के लिए 12 अंकों वाला बारकोडयुक्त ईयर टैग अनिवार्य**

राज्यमंत्री भोयर ने बताया कि 27 फरवरी 2024 के शासन निर्णय के अनुसार राज्य के सभी पशुधन के लिए 12 अंकों वाला बारकोडयुक्त ईयर टैग लगाना और उसकी जानकारी भारत पशुधन प्रणाली में दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। इस व्यवस्था से पशुधन के प्रजनन, स्वास्थ्य और स्वामित्व से संबंधित जानकारी डिजिटल रूप में उपलब्ध होगी।

**विशेष पुलिस दस्ते और सीमावर्ती जांच चौकियों पर सीसीटीवी लगाने पर विचार**

गोसेवा आयोग की बैठक के बाद गोवंश की अवैध ढुलाई, अवैध वध और अनधिकृत बूचड़खानों पर रोक लगाने तथा संबंधित कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राज्यमंत्री भोयर ने बताया कि सजा की अवधि और जुर्माना बढ़ाने, गोसेवा आयोग को अधिक अधिकार देने, विशेष पुलिस दस्ते गठित करने, जिला एवं राज्यस्तरीय समितियां बनाने, सीमावर्ती जांच चौकियों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और जनजागरूकता बढ़ाने जैसे सुझावों पर राज्य सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में चारागाह क्षेत्रों का विकास कर गोवंश के लिए चारे की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से कैम्पा निधि का उपयोग किया जाएगा। गोवंश संरक्षण के लिए सभी संबंधित विभागों के समन्वय से अधिक प्रभावी उपाय किए जाएंगे।

**खास खबर**

### बोरवेल हादसे में मृत वंश के परिवार को विधायक ने दी चार लाख की सरकारी सहायता

**बिजनौर।** उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के कस्बे नहटौर में मोहल्ला नोशा निवासी बोरवेल हादसे में जान गंवाने वाले सात वर्षीय मासूम वंश के परिजनों को क्षेत्रीय विधायक ओमकुमार ने गुरुवार को चार लाख रुपये की सरकारी आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।विधायक ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए मासूम बच्चे की मृत्यु की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवार को मिलने वाली अन्य सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ भी प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए। सहायता राशि मिलने पर मृतक वंश के परिजनों ने विधायक एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा नगर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे और सभी ने दिवंगत मासूम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

### केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की 46वीं बैठक, पर्यावरण मंत्री ने संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन पर दिया जोर

**नई दिल्ली।** केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को कोयंबटूर में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की 46वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्राधिकरण की उपलब्धियों और भविष्य की रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई।बैठक में देश के चिड़ियाघरों के आधुनिकीकरण, नए प्राणी उद्यानों की स्थापना, आगंतुक शिक्षा को बेहतर बनाने, वैज्ञानिक योजना और आधारभूत संरचना विकास से जुड़े प्रस्तावों की समीक्षा की गई।गुरुवार को पर्यावरण मंत्रालय ने बताया कि भारतीय चिड़ियाघरों को संरक्षण, शिक्षा और अनुसंधान के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।बैठक में चिड़ियाघरों के प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन के दूसरे चरण की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा ओर से पशु जैव-बैंक नेटवर्क विकसित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई, जिससे संरक्षण प्रजनन कार्यक्रमों को आधुनिक प्रजनन तकनीकों के माध्यम से मजबूती मिल सकेगी।

### मानसून की बारिश से दिल्ली की आबोहवा हुई साफ, बना इस साल का पहला 'अच्छा' एक्यूआई वाला दिन

**नई दिल्ली।** मानसून की झमाझम बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अनुसार, गुरुवार का दिन साल का पहला सबसे एक्यूआई वाला दिन बन गया है। आयोग के मुताबिक गुरुवार को शाम चार बजे एक्यूआई 48 दर्ज किया गया जो अच्छे श्रेणी में आता है।आयोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि राजधानी की आबो-हवा में यह बड़ा सुधार देखने को मिला है। साल 2026 का सबसे कम रोज़ाना औसत एक्यूआई दर्ज किया। आज शाम 4 बजे राजधानी का एक्यूआई 48 रहा, जो इस साल का पहला 'अच्छा' एक्यूआई वाला दिन (0–50) है।

## महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित हादसों में 37 लोगों की मौत, 33 घायल; प्रशासन ने सतर्क रहने की अपील की

संवाददाता

**मुंबई।** महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में बारिश का जोर जारी है। भारी बारिश के बीच बिजली गिरने, भूस्खलन, पेड़ गिरने, बाढ़ और अन्य संबंधित घटनाओं में जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए प्रशासन की ओर से विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। बुधवार को आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, भारी बारिश के कारण सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, रायगढ़, सातारा और पुणे जिलों में भूस्खलन और मडफ्लो की घटनाओं में छह लोगों की मौत हुई है, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। बिजली गिरने की घटनाओं में नासिक, अहिल्यानगर, कोल्हापुर, नांदेड, धुले, जलगांव, जालना, पुणे, चंद्रपुर, सोलापुर, यवतमाल, नागपुर, गडचिरोली, भंडारा, वर्धा, लातूर, छत्रपति संभाजीनगर और नंदुरबार जिलों में 23 लोगों की मौत हुई है और 17 लोग घायल हुए हैं। पेड़ गिरने की घटनाओं में अहिल्यानगर, पुणे, सातारा, सोलापुर, मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, भंडारा और अकोला जिलों में छह लोगों की मौत हुई है, जबकि 12 लोग घायल हुए हैं। इन घटनाओं में 11 पशुओं की भी मौत हुई है और सात पशु घायल हुए हैं। बाढ़ या बाढ़ से संबंधित घटनाओं में वर्धा, पालघर, पुणे और रत्नागिरी जिलों में दो लोगों की मौत हुई है। इन घटनाओं में किसी पशु की मौत दर्ज नहीं की गई है। इसके अलावा जालना, रायगढ़, पालघर, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी और सातारा जिलों में भारी बारिश के कारण पांच पशुओं की मौत हुई है। बारिश से संबंधित विभिन्न दुर्घटनाओं में अब तक कुल 37 लोगों की मौत और 33 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। प्रशासन ने नागरिकों से भारी बारिश

के दौरान सतर्क रहने और आपदा से बचाव संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

**ठाणे में सर्वाधिक 196.9 मिमी बारिश दर्ज**

जिलेवार बारिश के दोपहर 4 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में औसतन 31.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इस अवधि में ठाणे जिले में सर्वाधिक 196.9 मिमी बारिश हुई। इसके बाद पालघर में 185.4 मिमी, रायगढ़ में 134.1 मिमी, मुंबई उपनगर में 125 मिमी, पुणे में 69.4 मिमी और मुंबई शहर में 62.1 मिमी बारिश दर्ज की गई।एक जून से अब तक हुई कुल बारिश के आंकड़ों के अनुसार, रायगढ़ जिला 1,480.7 मिमी बारिश के साथ राज्य में सबसे आगे है। इसके बाद पालघर में 1,295.4 मिमी, रत्नागिरी में 1,273.4 मिमी, ठाणे में 1,103 मिमी और सिंधुदुर्ग में 1,001.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। वहीं, एक जून से अब तक मुंबई शहर में कुल 510.7 मिमी और मुंबई उपनगर में 512.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। राज्य के कोंकण, उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिम महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ के कई जिलों में मानसून सक्रिय है। महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। लगातार हो रही बारिश से राज्य में मानसून के सक्रिय होने की स्थिति स्पष्ट दिखाई दे रही है।

## स्वच्छ भारत को नई गति देगा स्मार्ट भारतबिन अभियान: रामदास आठवले

संवाददाता

**नई दिल्ली।** रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने गुरुवार को 100 स्मार्ट भारतबिन स्थापना अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।इस अवसर पर रामदास आठवले ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं अपितु प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है और स्मार्ट भारतबिन जैसी तकनीक-आधारित पहलें स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देने के साथ नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करेंगी।

हेल्प इंडिया फाउंडेशन, भारतबिन तथा दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रामदास आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में स्वच्छ, सुरक्षित एवं आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।रामदास आठवले ने कहा कि हेल्प

इंडिया फाउंडेशन, भारतबिन तथा दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है तथा यह अभियान राजधानी दिल्ली को अधिक स्वच्छ, हरित एवं आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।केंद्रीय मंत्री आठवले ने सभी सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं नागरिकों से इस अभियान को जनभागीदारी का व्यापक जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में आयोजक राजीव लोचन, मंजू छिब्बर जी, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं विधायक सतीश उपाध्याय, दिल्ली नगर निगम के उपायुक्त राकेश कुमार जी सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## नासिक टीसीएस मामले में गर्भवती निदा खान को जमानत, कोर्ट ने कहा- जेल में बच्चे को जन्म देने का सदमा असहनीय

- अदालत ने भगवान कृष्ण के जन्म की परिस्थितियों का किया उल्लेख, कहा– जांच पूरी और चार्जशीट दाखिल होने के बाद हिरासत में रखने का औचित्य नहीं

संवाददाता

**नासिक।** नासिक टीसीएस मामले में गिरफ्तार गर्भवती निदा खान को जमानत देते हुए स्थानीय अदालत ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि जेल में बच्चे को जन्म देने का सदमा और उससे जुड़ा सामाजिक कलंक किसी भी महिला के लिए असहनीय हो सकता है। अदालत ने इस दौरान भगवान कृष्ण के जन्म की परिस्थितियों का भी उल्लेख किया। एडिशनल सेशंस जज (नासिक रोड

कोर्ट) के.जी.जोशी ने अपने आदेश में कहा कि समग्र जांच से प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि खान ने अपने सह-आरोपियों की मदद से कथित रूप से पीड़िता का 'ब्रेनवॉश' करने और उसके वैचारिक एवं धार्मिक विचारों को बदलने का प्रयास किया था। यौन उत्पीड़न और कथित धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले की जांच का उल्लेख करते हुए अदालत के आदेश में कहा गया कि पीड़िता को कथित तौर पर यह समझाने की कोशिश की गई कि हिंदू धर्म में आपत्तिजनक कहानियां हैं। अदालत ने लगभग दो महीने पहले गिरफ्तार की गई निदा खान को 6 जुलाई को जमानत दे दी थी, जबकि जमानत का विस्तृत आदेश गुरुवार को जारी किया गया। अदालत ने कहा कि एफआईआर में खान की कथित भूमिका का स्पष्ट उल्लेख है, लेकिन बचाव पक्ष की इस दलील पर भी विचार किया गया कि वह पांच महीने की गर्भवती है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि भगवान कृष्ण की तरह जेल में बच्चे को जन्म देने का सदमा अथवा उससे जुड़ा सामाजिक कलंक किसी के लिए भी सहन करना आसान नहीं है। अदालत ने आगे कहा कि ऐसी दर्दनाक स्थिति से बचने तथा नवजात शिशु के स्वागत और उसके समग्र कल्याण को ध्यान में रखते हुए आरोपी के पक्ष में न्यायिक विवेक का इस्तेमाल करना उचित होगा। जज ने कहा कि गर्भवती आरोपी को हिरासत में रखने का अब कोई विशेष उद्देश्य नजर नहीं आता, क्योंकि मामले की जांच पूरी हो चुकी है और चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। खान की ओर से पेश वकील राहुल कसलिवल ने गर्भावस्था के आधार पर जमानत की मांग करने के साथ दावा किया कि उनकी मुवक्किल निर्दोष है और उसे झूठे मामले में फंसाया गया है। बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि खान उच्च शिक्षित है और अप्रैल 2026 में नौकरी से निकाले जाने से पहले टीसीएस में 'एसोसिएट' के पद पर कार्यरत थी। सरकारी वकील विजय गायकवाड़ तथा पीड़ित पक्ष की ओर से पेश वकील मिलिंद कुरकुटे और नितिन पंडित ने खान एवं सह-आरोपी दानिश शेख की जमानत याचिकाओं का विरोध किया। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि मामले की जांच के दौरान यौन उत्पीड़न और कथित तौर पर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य सामने आए हैं।

# संपादकीय

## राम मंदिर जांच पर उठे सवाल

राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी की कथित जांच कर रहे विशेष जांच दल की 'परम गोपनीय' रपट सार्वजनिक हो गई। रपट पर साफ अक्षरों में लिखा है-'परम गोपनीय।' फिर यह अंतरिम रपट राम मंदिर ट्रस्ट के न्यासियों के पास कैसे पहुंची? वहां से कई टीवी चैनलों को रपट कैसे मिली? यकीनन यह कानूनन अपराध का मामला है। रपट को उप्र सरकार 'सार्वजनिक' करती या ट्रस्ट को सार्वजनिक करने की अनुमति देती, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। 'परम गोपनीय' रपट को चोर दरवाजे से सार्वजनिक किया गया, लिहाजा खुलासा हो गया कि विशेष जांच दल ने शुरुआती जांच में क्या पकड़ा, किन्हें 'काली भेड़' करार दिया गया और यह चोरी-डकैती कांड कैसे अंजाम दिया गया? ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय बंसल और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों से ही राम मंदिर के भीतर के चोरी-डकैती कांड का पटाक्षेप नहीं हुआ है। विशेष जांच दल की सार्वजनिक रपट पर ही कई सवाल हैं। रपट में चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव, विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव आदि का उल्लेख क्यों नहीं है? चंपत राय तो 'प्रमुख खलनायक' के तौर पर सामने आए हैं, क्योंकि उनके हस्तक्षेप से ही, उनके ड्राइवर टिन्नू यादव को, हुंडियों की चाबियां दी गईं! टिन्नू को कोई प्राधिकार ट्रस्ट ने नहीं दिया था, फिर वह एक सक्षम अधिकारी की तरह व्यवहार क्यों करता रहा? हालांकि विशेष जांच दल अभी टिन्नू यादव की और जांच-पड़ताल करेगा। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर है। सवाल यह भी है कि ट्रस्ट ने राम मंदिर के व्यवस्थापक रहे गोपाल राव को अचानक बाहर का रास्ता क्यों दिखा दिया? चंपत और अनिल पर लगे गंभीर आरोप उन पर नहीं थे। वह भी राम मंदिर की व्यवस्था में आरएसएस के एक प्रमुख चेहरा थे। वह ट्रस्ट की बैठक से पहले अचानक बेंगलुरु गए और संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले से मिले। क्यों मिले, इसका कोई खुलासा नहीं है। विशेष जांच दल ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह से जो कागजात मांगे थे, वे जांच दल को सौंपे गए, लेकिन अंतरिम रपट में घोटालास्पद भूमि-सौदों का कोई जिक्र तक नहीं किया गया। क्या जांच दल ने मान लिया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा ने बिल्कुल ईमानदार जमीन-सौदे किए थे? इंजीनियर दीनानाथ वर्मा ने यह तथ्य बेनकाब किया था कि अनिल मिश्रा निर्माण-कार्यों पर 40 फीसदी कमीशन मांगते थे, लिहाजा फर्जी बिल भी बनाए गए। महिपाल सिंह भी राम मंदिर में लेखाधिकारी थे, जिन्होंने चोरी और दूसरी गड़बडिय़ों को लेकर चंपत राय और अनिल मिश्रा को अवगत कराया था। उन्हें ही नौकरी से निकाल दिया गया। विशेष जांच दल ने इन दोनों के बयान भी दर्ज क्यों नहीं किए? वे चोरी-डकैती के सुराग खोलने में एक महत्वपूर्ण स्रोत साबित हो सकते थे। सार्वजनिक रपट में खुलासा है कि बीती 5 जून की छापेमारी में 78.94 लाख रुपए बरामद किए गए थे। यह नकदी बरामदगी 21 दिन तक कृष्ण मोहन के घर एक संदूक में रखी गई। कृष्ण मोहन को अब ट्रस्ट का अंतरिम महासचिव बनाया गया है। क्या कोई व्यक्ति बरामदगी को अपने पास रख सकता है? यकीनन ये अपराध का मामला है, लेकिन जांच दल ने इस दृष्टि से आकलन नहीं किया। रपट से ऐसा नहीं लगता कि चोरी-डकैती कांड में दूध का दूध और पानी का पानी हो सकेगा, जैसा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया था। इसी बीच चंपत राय का राम-भक्तों के नाम एक पत्र भी सार्वजनिक हुआ है, जिसमें उन्होंने अनिल मिश्रा और भारतीय स्टेट बैंक के बीच करार को 'अवैध' करार दिया है। उनका कहना है कि इस करार की सम्यक जानकारी उन्हें नहीं दी गई और करार पर महासचिव के नाते उनके दस्तखत होने चाहिए थे। अब चंपत अनिल मिश्रा और बैंक को 'खलनायक' बनाने के मूड में लगते हैं।

# राम मंदिर की मर्यादा को आघात पहुंचाती दुष्प्रचार की राजनीति

**डॉ.राघवेंद्र शर्मा**

**आजकल** अयोध्या के श्री राम मंदिर में उद्घाटित चढ़ावा चोरी का प्रकरण चर्चाओं में है। कहना अतिश्योक्ति नहीं कि पारंपरिक मंदिर विरोधियों के लिए यह दुष्प्रचार का सर्वाधिक सुविधाजनक अस्त्र बन गया है। श्री राम, राम मंदिर, सनातन और सबसे बड़ी बात भारत अर्थात भारतीयता को खंडित करने के कुत्सित प्रयास एक बार फिर चरम पर हैं। इनसे बचने के साथ-साथ श्री राम मंदिर पर हुए हमले और फिर उसे मुक्ति दिलाने हेतु करोड़ों करोड़ राम भक्त बलिदानियों, खुशी खुशी प्राण उत्सर्ग करने वाले दिवंगत कार सेवकों तथा भव्य राम मंदिर निर्माण हेतु जीवन दान देने वाले सेवकों के संघर्ष पर गौर करने की जरूरत है। क्योंकि इतिहासिक साक्ष्य हैं कि जो राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक चेतना को विस्मृत कर देता है और अपने गौरवशाली अतीत के प्रतीकों की रक्षा नहीं कर पाता, उसका अस्तित्व अंततः संकट में पड़ जाता है। अयोध्या में प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि पर निर्मित भव्य और दिव्य मंदिर केवल पत्थरों, स्तंभों या नक्काशी का कोई सामान्य भौतिक ढांचा नहीं है। यह भारत की चिरंतन आत्मा, उसकी सांस्कृतिक अस्मिता, सदियों के धैर्य और राष्ट्रीय पुनर्जागरण का साक्षात, जीवंत प्रतीक है। सन् 1528 में विदेशी मुगल आक्रांता मीर बाकी द्वारा सनातन आस्था के इस परम केंद्र को जिस क्रूरता के साथ ध्वस्त किया गया था, वह भारत के मर्म पर एक गहरा घाव था। उस ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने और अपनी आस्था की पुनर्स्थापना के लिए सनातन समाज ने 500 वर्षों का एक अभूतपूर्व, अनवरत और धैर्यपूर्ण संघर्ष लड़ा है, जो विश्व के इतिहास में सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का सबसे लंबा आंदोलन है।16वीं शताब्दी से लेकर 19वीं शताब्दी के मध्य तक, इस पवित्र भूमि की मुक्ति और प्रभु श्री राम के मंदिर की पुनर्स्थापना के लिए छोटे-बड़े 76 युद्ध लड़े गए। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले इस महायज्ञ में लाखों राम भक्तों ने बिना किसी संकोच के अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज़ाद भारत के इतिहास में भी जब इस आंदोलन ने एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप लिया, तब भी राम भक्तों के मार्ग में कांटे ही बिछाए गए। तत्कालीन सत्ताधीशों, छद्म-धर्मनिरपेक्ष ताकतों और व्यवस्था की क्रूरता का वह खूनी मंजर देश कभी नहीं भूल सकता, जब अयोध्या की सड़कों पर निहत्थे और शांतिपूर्ण कारसेवकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं। उस दमन चक्र के कारण बार-बार राम भक्तों के खून से सरयू का पवित्र जल लाल होता रहा। इस अंतहीन और कष्टकारी संघर्ष को वैचारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक नेतृत्व प्रदान करने का महती कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद जैसे राष्ट्रवादी संगठनों ने किया। आंदोलन की धार को कुंद करने और राष्ट्रवादियों का मनोबल तोड़ने के लिए तत्कालीन राम-विरोधी सरकारों ने दमन की पराकाष्ठा पार करते हुए चार राज्यों की चुनी हुई भाजपा सरकारों को असंवैधानिक रूप से बर्खास्त कर दिया। परंतु, राष्ट्रवाद के पथ पर चलने वाले कार्यकर्ताओं और नेताओं ने प्रभु श्री राम के चरणों में अपनी सत्ताओं और सरकारों

का बलिदान सहर्ष स्वीकार कर लिया। तुष्टिकरण की संकीर्ण राजनीति के तहत बहुसंख्यक सनातन समाज को लगातार टारगेट पर रखा गया, राम भक्तों पर 'सांप्रदायिक' और 'आतंकवादी' होने के झूठे इल्जाम लगाए गए, और धर्मनिरपेक्षता की आड़. में सनातन समाज को विखंडित करने की गहरी साजिशें रची गईं। इस दमन और षड्यंत्र का सबसे शर्मनाक अध्याय तब लिखा गया, जब देश की सर्वोच्च वैधानिक संस्थाओं में तत्कालीन सरकारों द्वारा भगवान श्री राम के अस्तित्व को ही 'काल्पनिक' और 'कल्पित' बताने का दुस्साहस किया गया। यह आंदोलन तब और अधिक पीड़ादायक तथा चुनौतीपूर्ण हो गया, जब राम मंदिर के घोर विरोधी धर्मनिरपेक्ष नेताओं, वामपंथी इतिहासकारों और राजनीतिक दलों ने राम जन्मभूमि मुक्ति की इस न्यायपूर्ण लड़ाई में लगातार वैधानिक व्यवधान पैदा किए। अदालतों में तारीखें बढ़वाने से लेकर जनमानस को भ्रमित करने तक, हर संभव प्रयास किया गया ताकि यह भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प कभी हकीकत न बन सके। हिंदू विरोधी संगठन और नेता इस पवित्र आंदोलन के विरोध में ही लगातार मोर्चा संभाले रहे, जिससे यह संघर्ष दिनों-दिन और अधिक कठिन होता गया। परंतु सनातन धर्म का मूल मंत्र है 'सत्यमेव जयते'। तमाम कानूनी अड़चनों, कुतर्कों, राजनैतिक अवरोधों और दुष्प्रचार के पहाड़.को ढहाते हुए अंततः सत्य की पूर्ण विजय हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सरसंघचालक श्री मोहन भागवत और देश के यशस्वी, लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के गरिमामय मार्गदर्शन में जब मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ होकर पूर्ण हुआ, तो यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में सोमनाथ मंदिर के बाद सांस्कृतिक गौरव का दूसरा सबसे महान ऐतिहासिक क्षण बन गया। बाद में भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा इस पावन धाम में आकर माथा टेकने और प्रभु के दर्शन करने की घटना ने यह पूरी तरह सिद्ध कर दिया कि अब भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व करने से रत्ती भर भी हिचकिचाने वाला नहीं है। बदलते और निरंतर एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरते जा रहे भारत की यह तस्वीर एकदम नई और अभूतपूर्व थी। अभी तक देश ने देखा था कि तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेता मंदिरों से तो सर्वथा दूरी बनाकर ही रखते थे और केवल मस्जिदों, दरगाहों तथा इफ्तार पार्टियों में शिरकत करने को ही धर्मनिरपेक्षता का एकमात्र पैमाना मानते थे। इस नए परिदृश्य से मंदिर विरोधियों और तुष्टिकरण के वैज्ञानिकों में घोर हताशा फैल गई। क्योंकि संपूर्ण देश में एक अभूतपूर्व सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो चुका था। यह विशुद्ध भारतीयता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का भाव आज डेढ़. अरब जनता के अटूट आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुका है। वैश्विक स्तर पर भी भव्य राम मंदिर का यह प्रादुर्भाव भारत की सनातन एकता और एक मजबूत, संप्रभु देश की अंतरराष्ट्रीय पहचान बनकर उभरा है। इस सांस्कृतिक लहर के सामने मंदिर विरोधी पूरी तरह अप्रासंगिक होकर खिसिया कर रह गए। जब राम मंदिर निर्माण की शुचिता, उसकी भव्यता और उसकी उत्कृष्ट इंजीनियरिंग ने विरोधियों के सारे झूठे दावों को ध्वस्त कर दिया और उनके मुंह पर एक जोरदार तमाचा जड़ा, तो इन पराजित और हताश तत्वों को एक नए मौके की तलाश थी। तभी से घात लगा कर बैठे राक्षस प्रवृत्ति के लोगों को एक ऐसे अवसर का इंतजार था, जिसकी आड़. लेकर वे पुनः श्री राम मंदिर और राम भक्तों के माथे पर कलंक लगा सकें। जैसी कि आशंका व्यक्त की जा रही है, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से मंदिर की चढ़ावा गणना व्यवस्था और प्रशासनिक प्रबंधन में इन मंदिर विरोधियों के कुछ छद्म तत्वों को घुसपैठ करने में सफलता प्राप्त हो गई। संभवत इन्हीं राम विरोधी तत्वों की करतूतों के चलते राम भक्तों को चोर कहने का एक अवसर उन लोगों को मिल गया, जो कल तक श्री राम को काल्पनिक कहते थे। आज इसी प्रशासनिक या मानवीय चूक को आधार बनाकर राम मंदिर के पारंपरिक विरोधी देश भर में 'चढ़ावा चोरी' का एक कृत्रिम बवंडर खड़ा करने के जी-तोड़ प्रयासों में जुट गए हैं। लेकिन इस तथाकथित प्रकटीकरण और दुष्प्रचार के पीछे छिपे चेहरों को देखकर कुछ अत्यंत गंभीर, तार्किक और विचारोत्तेजक प्रश्न खड़े होते हैं, जिनका उत्तर आज हर सनातनी को खोजना होगा। सवालः यदि आग मंदिर में तो धुआं राम विरोधियों के गढ़ में कैसे? इस कथित चढ़ावा चोरी के दुष्प्रचार को हवा देने में उस राजनैतिक दल और उसके नेताओं की सक्रिय भागीदारी कैसे संभव हुई, जिन पर राम जन्मभूमि का पुरजोर विरोध करने और निहत्थे राम भक्तों पर गोलियां चलवाने का दाग जगजाहिर और इतिहास में दर्ज है? अतीत में हिंदुओं को बदनाम करने के लिए 'भगवा आतंकवाद' का झूठा और खतरनाक शिगूफा छोड़ने वाले राजनैतिक तत्व आज अचानक इतने बड़े 'राम प्रेमी' कैसे हो गए कि उन्हें मंदिर की व्यवस्था की चिंता सताने लगी। ये महाकाल लोक से अयोध्या जी तक पदयात्रा के माध्यम से मंदिर विरोधी बवंडर को अधिकतम विकराल स्वरूप देने के लिए सक्रिय हो गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा देकर प्रभु श्री राम के अस्तित्व को पूरी तरह काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आज अचानक राम भक्तों की भावनाओं की कद्रदान होने का ढोंग कैसे कर सकते हैं? इन प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट है, यह कोई मंदिर की चिंता नहीं, बल्कि सनातन समाज में पुनः विखंडन और बिखराव पैदा करने की एक बहुत बड़ी और गहरी राजनीतिक साजिश है। वे इस विसंगति को तूल देकर उस आंदोलन, उन संगठनों और उन करोड़ों भक्तों की निष्ठा पर कीचड़. उछालना चाहते हैं, जिन्होंने अपना सर्वस्व दांव पर लगाकर पहले श्री राम जन्मभूमि को विधर्मियों से मुक्त कराया और अब वहां पर भव्य श्री राम मंदिर का मूर्त रूप देखकर उत्साहित हो रहे हैं। राम भक्तों की आस्था सर्वथा असंदिग्ध, अटूट और परम पवित्र है। राम मंदिर निर्माण, जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में अपना पूरा जीवन, करियर और परिवार दांव पर लगाने वाले निस्वार्थ सेवक और संगठन कभी भी भ्रष्ट नहीं हो सकते। यह पूरी तरह सत्य है कि व्यवस्थागत सावधानी में कहीं न कहीं चूक अवश्य हुई है, जिसका अनुचित लाभ उठाकर मंदिर एवं सनातन विरोधियों ने वैश्विक स्तर पर लगातार आगे बढ़ रहे राष्ट्र के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। परंतु, हमें विचलित होने के स्थान पर भारतीय न्याय व्यवस्था और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की शुचिता व पारदर्शिता पर पूर्ण भरोसा रखने की आवश्यकता है। यह समय अत्यधिक सजग, सतर्क और संगठित रहने का है। हिंदू समाज को विखंडित करने, जातियों में बांटने और सनातन विरोधी एजेंडे को हवा देने के इन कुत्सित और नापाक मंसूबों को हमें एकजुट होकर विफल करना होगा। जब तक आंतरिक जांच और न्याय व्यवस्था दूध का दूध और पानी का पानी न कर दे, तब तक हमें इन सनातन-विरोधियों के हर दुष्प्रचार का पुरजोर विरोध करना होगा और राष्ट्र की इस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर की पवित्रता व मर्यादा को अक्षुण्ण रखना होगा। जय श्री राम। जय भारत।

एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741



**महत्वपूर्ण सूचना**

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बातें जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाएं या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।


## आज का राशिफल

**मेषः** दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। वाणी पर संयम रखें।

**वृषभः** मेहनत सफल रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है।

**मिथुनः** पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। अजनबियों पर विश्वास न करें।

**कर्कः** यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्ययों में कमी करना चाहिए।

**सिंहः** फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। वस्तुएं संभालकर रखें। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

**कन्याः** डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी।

**तुलाः** घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें। प्रसन्नता रहेगी। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा।

**वृश्चिकः** राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद। व्यवहारकुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएं।

**धनुः** वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी। आय कम होगी। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है। व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें।

**मकरः** राजकीय बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी। अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं।

**कुंभः** संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है।

**मीनः** यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है। कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

# 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान: 12 जुलाई को यूपी में लगेगा 35 करोड़ पौधों का महाकुंभ

**संवाददाता**

**लखनऊ, उत्तर प्रदेश।** उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी.गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026, जीरो पॉवर्टी उत्तर प्रदेश अभियान, पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं और कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव एस.पी.गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत 12 जुलाई को पूरे प्रदेश में एक ही दिन 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। इस वर्ष वृक्षारोपण अभियान की थीम 'एक पेड़ माँ के नाम' निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण महायज्ञ को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से 'इलेक्शन मोड' में पूरी की जाएं। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पौधों का उठान समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि पौधारोपण के दिन किसी भी प्रकार की देरी या व्यवधान उत्पन्न न हो। मुख्य सचिव ने वृक्षारोपण अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर जोर देते हुए कहा कि इसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। अभियान के दौरान सांस्कृतिक

कार्यक्रमों, नुक्कड़ नाटकों, लोकगीतों, संगीत और संगोष्ठियों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए और वृक्षारोपण अभियान को उत्सव के रूप में मनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वृक्षारोपण से जुड़े सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं की भागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि बच्चों और युवाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को वृक्षारोपण स्थलों और लगाए गए पौधों की जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों और बोर्डों में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प ले। उन्होंने जिला वृक्षारोपण समितियों को पौधों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल पौधारोपण करना पर्याप्त नहीं है। लगाए गए पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और नियमित देखभाल की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक पौधों को जीवित रखा जा सके।

### जीरो पॉवर्टी अभियान में सभी पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश

जीरो पॉवर्टी उत्तर प्रदेश अभियान की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि प्रथम चरण में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में पात्र लाभार्थियों का कवरेज अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र किसानों को प्राथमिकता के आधार पर योजना से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि जीरो पॉवर्टी अभियान के प्रथम और द्वितीय चरण की सभी मूलभूत योजनाओं में चयनित शत-प्रतिशत पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तेल विपणन कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर पात्र परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जोड़ें। इसके साथ ही युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और ओडीओपी योजना जैसी स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। बैठक में बताया गया कि जीरो पॉवर्टी अभियान के प्रथम चरण में राशन कार्ड योजना से 97 प्रतिशत, निराश्रित महिला पेंशन योजना से 98 प्रतिशत, बीओसीडब्ल्यू श्रम कार्ड से 95 प्रतिशत, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजनाओं से 92 प्रतिशत, दिव्यांग पेंशन योजना से 86 प्रतिशत और वृद्धावस्था पेंशन योजना से 83 प्रतिशत पात्र परिवारों को जोड़ा जा चुका है। वहीं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अभी तक केवल 13 प्रतिशत पात्र परिवारों को आच्छादित किया गया है। द्वितीय चरण में शौचालय सहायता योजना, स्वयं सहायता समूहों और स्कूल नामांकन के अंतर्गत शत-प्रतिशत पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ा जा चुका है। योजनाओं के संतृप्तिकरण के आधार पर हाथरस, गाजियाबाद, शामली, मुजफ्फरनगर, बदायूं, अमरोहा, महराजगंज, मेरठ, बागपत और गोरखपुर प्रदेश के शीर्ष 10 जनपदों में शामिल हैं।

### गोचर और चारागाह भूमि को कब्जामुक्त कराने के निर्देश

पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीबी-जी-राम-जी योजना के तहत चारागाह और गोचर भूमि का विकास किया जाए। उन्होंने कहा कि गोचर भूमि पर हरे चारे का उत्पादन कर ग्राम पंचायतें अतिरिक्त आय अर्जित कर सकती हैं। इसके साथ ही पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध होने से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर अतिक्रमण की चपेट में आई गोचर और चारागाह भूमि को कब्जामुक्त कराया जाए और उसका उपयोग पशुपालन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए किया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जनपद झांसी से मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे, जिलाधिकारी गौरांग राठी, मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड और डीएफओ विकास यादव सहित अन्य अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

# महाराष्ट्र विधानमंडल के कामकाज में बढ़ेगी पारदर्शिता और जवाबदेही

## मुख्यमंत्री फडणवीस ने डिजिटल डैशबोर्ड का किया उद्घाटन

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल के कामकाज में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लंबित संसदीय आयुधों की डिजिटल निगरानी और प्रभावी फॉलोअप के लिए विकसित अत्याधुनिक डैशबोर्ड का उद्घाटन गुरुवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। इस डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से तारांकित प्रश्न, अतारांकित प्रश्न, ध्यानाकर्षण सूचनाएं, आधे घंटे की चर्चा की सूचनाएं, विशेष उल्लेख और औचित्य के मुद्दों सहित विभिन्न संसदीय आयुधों की लंबित स्थिति की रियल टाइम जानकारी उपलब्ध होगी। इससे सरकार और विधानमंडल के बीच समन्वय अधिक प्रभावी होगा। विधान भवन में आयोजित कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष एड. राहुल नार्वेकर, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील, विधान परिषद के उपसभापति सचिन अहिर, विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे तथा विधानमंडल सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर विधानमंडल सचिव जितेंद्र भोले ने डिजिटल डैशबोर्ड की विशेषताओं की जानकारी देते हुए विधानमंडल में जारी कंप्यूटरीकरण और डिजिटल परिवर्तन की प्रक्रिया का विवरण प्रस्तुत किया।

**दोनों सदनों को डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम**

जुलाई 2022 में विधानमंडल के दोनों सदनों को पूरी तरह डिजिटल बनाने का संकल्प लिया गया था। इसके तहत सदस्यों की प्रत्येक डेस्क पर अत्याधुनिक मल्टीमीडिया कॉन्फ्रेंस सिस्टम लगाए गए। इस प्रणाली के माध्यम से सदस्यों को सदन की दैनिक कार्यवाही, विधानमंडल की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी और इंटरनेट पर मौजूद आवश्यक संदर्भ सामग्री आसानी से उपलब्ध हो रही है। भविष्य में विधानमंडल के पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ सामग्री भी एक क्लिक पर सदन में उपलब्ध कराने की सुविधा विकसित की जा रही है विधानमंडल की महत्वाकांक्षी डिजिटलीकरण परियोजना के तहत वर्ष 1937 से अब तक की कार्यवाही के विवरणों का डिजिटलीकरण किया गया है। इसके अलावा वर्ष 2013 से सदन की दृश्य-श्रव्य कार्यवाही का भी डिजिटल संग्रह तैयार किया गया है। इससे ऐतिहासिक संसदीय अभिलेख शोधकर्ताओं, विधानमंडल सदस्यों और प्रशासन के लिए अधिक आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

**राजपत्र से लेकर न्यायालयीन फैसलों तक मिलेंगी डिजिटल प्रतियां**

राजपत्र, विधेयक, बजट प्रकाशन, राज्यपाल के अभिभाषण, विधानमंडल समितियों की रिपोर्ट, जांच समितियों की रिपोर्ट, सरकारी महामंडलों और विश्वविद्यालयों की रिपोर्ट, चुनाव संबंधी निर्णय, सरकारी योजनाएं और नीतियां, सदस्यों की जानकारी तथा महत्वपूर्ण न्यायालयीन फैसलों की डिजिटल प्रतियां उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। दिसंबर 2024 में विधानमंडल की डिजिटल परिवर्तन प्रक्रिया को और गति मिली। सभापति की पहल पर सबसे पहले उनके कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई। इसके बाद पूरे विधानमंडल सचिवालय में ई-ऑफिस प्रणाली प्रभावी रूप से लागू की गई। वर्तमान में अधिकांश प्रशासनिक कामकाज ई-ऑफिस के माध्यम से किया जा रहा है। भविष्य में ई-एचआरएमएस, महापार और ई-आरटीआई जैसी डिजिटल प्रणालियों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

**खत्म होगी कागजी प्रक्रिया, ऑनलाइन होगी लंबित मामलों की निगरानी**

नए डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से संसदीय आयुधों के फॉलोअप की पारंपरिक कागजी प्रक्रिया समाप्त होकर पूरी व्यवस्था डिजिटल हो जाएगी। डैशबोर्ड के जरिए संसदीय आयुधों की वर्तमान स्थिति, लंबित मामलों और विभागवार जानकारी तत्काल उपलब्ध होगी। 'सदन के पटल पर दस्तावेज रखने' से संबंधित समिति के कामकाज में भी इस प्रणाली का प्रभावी इस्तेमाल किया जाएगा। मुख्य सचिव और विभिन्न मंत्रालयीन विभागों के सचिव अपने विभागों से संबंधित लंबित संसदीय मामलों की ऑनलाइन निगरानी कर सकेंगे। इससे जवाब प्रस्तुत करने की प्रक्रिया अधिक तेज और जवाबदेह बनेगी। विधानमंडल के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में उठाया गया यह कदम महाराष्ट्र के संसदीय कामकाज को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

# दृष्टिहीन महिला क्रिकेटरों के संघर्ष और सफलता की कहानी है 'देख ले! इंडिया', लोकभवन में हुआ प्रदर्शन

संवाददाता

मुंबई। दृष्टिहीन महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के प्रेरणादायी सफर को दर्शाने वाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'देख ले! इंडिया' का यूनिसेफ की ओर से गुरुवार को लोकभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा की प्रमुख उपस्थिति में प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने भारतीय दृष्टिहीन महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की सदस्यों के साथ डॉक्यूमेंट्री देखी और पूरी टीम तथा खिलाड़ियों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि दृष्टिहीन खिलाड़ियों को सहानुभूति नहीं, बल्कि अवसर की आवश्यकता है।

दृष्टिहीन महिला क्रिकेट टीम के संघर्षपूर्ण सफर और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उसकी जीत को दर्शाने वाली यह डॉक्यूमेंट्री बेहद प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि लोकभवन में इस डॉक्यूमेंट्री का एक और विशेष प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। डॉक्यूमेंट्री के निर्माता मुकुंद मूर्ति ने बताया कि इस फिल्म के माध्यम से समाज को यह जानने का अवसर मिलता है कि दृष्टिहीन महिला क्रिकेट खिलाड़ी विशेष प्रकार की आवाज करने वाली गेंद की मदद से क्रिकेट कैसे खेलती हैं। टीम की खिलाड़ी बेहद कठिन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का सामना करते हुए आगे बढ़ी हैं और उनके उल्लेखनीय सफर को इस डॉक्यूमेंट्री में दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म केवल क्रिकेट की कहानी नहीं, बल्कि साहस, मित्रता और आत्मविश्वास की भी कहानी है। इन युवा खिलाड़ियों ने साबित किया है कि दृढ़ संकल्प के बल पर सामाजिक, आर्थिक और शारीरिक सहित किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। भारतीय दृष्टिहीन महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की उपकप्तान गंगा कदम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि क्रिकेट ने उनकी जिंदगी बदल दी। इस खेल ने उन्हें आत्मविश्वास, जिंदगी को नई दिशा और देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें इस बात का दुख होता था कि वह दूसरों की तरह पढ़ नहीं सकतीं, लेकिन आज उन्हें क्रिकेट खेलने पर गर्व है। यह फिल्म उनकी टीम के सफर की कहानी होने के साथ ही हर उस लड़की की कहानी है, जो तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। कार्यक्रम में टीम की खिलाड़ी प्रिया खीर और सुषमा पटेल भी उपस्थित थीं। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के अध्यक्ष तथा समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड के संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी डॉ. महांतेश जी. किवडसन्नावर ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए क्रिकेट से पैदा हुए नए अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया की पहल से अमेरिका की दृष्टिहीन क्रिकेट टीम का गठन किया गया और इस टीम ने विश्व कप प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। उन्होंने इसे खेल जगत में भारत की 'सॉफ्ट पावर' का बेहतरीन उदाहरण बताया। 70 मिनट की इस डॉक्यूमेंट्री में भारत के विभिन्न हिस्सों से आने वाली दृष्टिहीन महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के इंग्लैंड में आयोजित वर्ल्ड ब्लाइंड गेम्स तक पहुंचने के प्रेरणादायी सफर को दिखाया गया है। डॉक्यूमेंट्री में दृष्टिबाधित युवक-युवतियों की दृढ़ इच्छाशक्ति, समावेशिता और समान अवसरों के महत्व को प्रमुखता से दर्शाया गया है। इस अवसर पर यूनिसेफ महाराष्ट्र के क्षेत्रीय अधिकारी संजय सिंह, कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट स्वाती महापात्रा, खिलाड़ी प्रिया खीर और सुषमा पटेल तथा टीम मैनेजर शिखा शेट्टी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद में आगे आया कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट, 300 बच्चों को बांटी निःशुल्क नोटबुक

- दैनिक स्वर्णिम प्रदेश कार्यालय में पिछले 10 दिनों से जारी है वितरण अभियान, 100 अन्य जरूरतमंद बच्चों तक भी जल्द पहुंचेगी सहायता

संवाददाता

मुंबई। साहित्यिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में पिछले 14 वर्षों से सक्रिय संस्था कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग के उद्देश्य से निःशुल्क नोटबुक वितरण अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 10 दिनों से खार पूर्व में स्थित दैनिक स्वर्णिम प्रदेश कार्यालय में जारी इस अभियान के तहत अब तक करीब 300 जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क नोटबुक वितरित की जा चुकी हैं। संस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराकर उनकी पढ़ाई में सहयोग करना है। इसी उद्देश्य को लेकर संस्था के पदाधिकारी जरूरतमंद बच्चों की पहचान कर उन्हें निःशुल्क नोटबुक उपलब्ध करा रहे हैं। कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट के पदाधिकारियों के अनुसार, संस्था के पास करीब 100 अन्य जरूरतमंद विद्यार्थियों का विवरण भी उपलब्ध है। इन बच्चों तक शैक्षणिक सहायता पहुंचाने के लिए संस्था के पदाधिकारी लगातार कार्य कर रहे हैं और जल्द ही उन्हें भी निःशुल्क नोटबुक वितरित की जाएंगी। संस्था का मानना है कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा प्रभावित नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने से न केवल उनकी पढ़ाई में सहायता मिलती है, बल्कि उनका आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति उत्साह भी बढ़ता है। कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट पिछले 14 वर्षों से साहित्यिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों एवं जनहित से जुड़े कार्यों के माध्यम से समाज में अपनी भूमिका निभा रहा है। जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए शुरू किया गया यह नोटबुक वितरण अभियान भी संस्था की सामाजिक एवं शैक्षणिक जिम्मेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि शेष जरूरतमंद विद्यार्थियों तक भी जल्द नोटबुक पहुंचाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को इस अभियान का लाभ मिल सके।

# सिंहस्थ कुंभ मेले के रिंग रोड के प्रस्तावित मार्ग में तीन बार बदलाव की होगी उच्चस्तरीय जांच: राजस्व मंत्री बावनकुले

संवाददाता

मुंबई। सिंहस्थ कुंभ मेले के आयोजन के लिए प्रस्तावित बाहरी रिंग रोड परियोजना में कम से कम भूमि अधिग्रहण करने की दिशा में कार्यवाही की जा रही है। मातोरी और मुंगसरे क्षेत्र में रिंग रोड के प्रस्तावित मार्ग में कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बदलाव किया गया है या नहीं, इसकी उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी।

जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर किसानों को न्याय दिलाया जाएगा। गुरुवार को यह जानकारी राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधानसभा में दी। सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए प्रस्तावित रिंग रोड के मार्ग में बदलाव को लेकर विधानसभा सदस्य विजय वडेट्टीवार द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री बावनकुले ने यह जानकारी दी। इस दौरान सदस्य सरोज अहिरे ने भी चर्चा में हिस्सा लिया। राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि यह रिंग रोड भविष्य में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है। परियोजना को लागू करते समय किसानों को विश्वास में लेकर उन्हें उचित और संतोषजनक मुआवजा देने पर सरकार का जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए कम से कम भूमि का अधिग्रहण करना पड़े, इस दिशा में योजना बनाई जा रही है। भूमि की माप के दौरान कुछ स्थानों पर तनाव की स्थिति पैदा हुई थी। किसानों के विरोध के कारण अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों का इस्तेमाल किया था। हालांकि, सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि परियोजना के कारण किसी के साथ अन्याय न हो।

**अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में होगी उच्चस्तरीय जांच**

मंत्री बावनकुले ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति से कराई जाएगी। रिंग रोड के प्रस्तावित मार्ग में तीन बार किए गए बदलावों की गहन जांच की जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों या संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। राजस्व मंत्री बावनकुले ने स्पष्ट किया कि सरकार को जमीन देने की प्रक्रिया में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ है या रिंग रोड के प्रस्तावित मार्ग में बदलाव की पूर्व जानकारी हासिल कर किसानों से जमीन खरीदी गई है, तो ऐसे मामलों की भी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में अनियमितता या भ्रष्टाचार सामने आने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी और किसानों को न्याय दिलाया जाएगा।

## 'सेफ फूड, सेफ महाराष्ट्र' विशेष अभियान के तहत एफडीए की बड़ी कार्रवाई

# दूध मिलावट से गुटखा कारोबार तक ताबड़तोड़ छापे, दो दिनों में 85.88 लाख रुपये का माल जब्त

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में खाद्य पदार्थों में मिलावट और प्रतिबंधित गुटखा-पान मसाला की बिक्री के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने कार्रवाई तेज कर दी है। 8 और 9 जुलाई 2026 को राज्य के विभिन्न हिस्सों में की गई कार्रवाई के दौरान कुल 10 छापे मारे गए और 85 लाख 88 हजार 45 रुपये मूल्य के प्रतिबंधित पान मसाला, गुटखा एवं अन्य खाद्य पदार्थ जब्त किए गए। प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री, वितरण और परिवहन के मामलों में चार एफआईआर दर्ज कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा दहिसर में दूध से छेड़छाड़ के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि छत्रपति संभाजीनगर जिले के फुलंब्री में मिलावटी दूध बनाने के संदेह में 496 किलोग्राम व्हे परमिएट पाउडर जब्त कर दो प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस तत्काल निलंबित किए गए।

**दहिसर में 470 लीटर दूध नष्ट, एक आरोपी गिरफ्तार**

9 जुलाई 2026 को सुबह 4.45 बजे खाद्य एवं औषधि प्रशासन और अपराध प्रकटीकरण शाखा यूनिट क्रमांक 12, दहिसर (पूर्व) ने संयुक्त कार्रवाई की। दहिसर (पूर्व) पुलिस स्टेशन की सीमा में एक नामी कंपनी के दूध के पाउच खोलकर दूध से छेड़छाड़ किए जाने की सूचना पर राजेश कंपाउंड के पास दुबे चॉल क्रमांक 2 में छापा मारा गया। इस मामले में लिंग्गया भिक्षमया गणता (42) को गिरफ्तार किया गया है। दहिसर पुलिस स्टेशन में एफआईआर क्रमांक 1012/2026 दर्ज की गई है। कार्रवाई के दौरान खाद्य पदार्थों के तीन नमूने जांच के लिए लिए गए। इसके अलावा 29 हजार 750 रुपये मूल्य का कुल 470 लीटर टेम्पर्ड मिल्क नष्ट कर दिया गया।

**फुलंब्री में मिलावटी दूध के खिलाफ एफडीए की बड़ी कार्रवाई**

खाद्य सुरक्षा आयुक्त तुकाराम मुंढे के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 'सेफ फूड, सेफ महाराष्ट्र' विशेष अभियान के तहत 8 जुलाई को गोपनीय सूचना के आधार पर छत्रपति संभाजीनगर जिले के फुलंब्री स्थित सिद्धेश्वर मिल्क डेयरी पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन और फुलंब्री पुलिस की टीम ने संयुक्त छापेमारी की। जांच के दौरान दूध में मिलावट के संदेह में 198 किलोग्राम गोवर्धन व्हे परमिएट पाउडर और 298 किलोग्राम ब्लेकपोल व्हे परमिएट पाउडर जब्त किया गया। इस तरह कुल 496 किलोग्राम व्हे परमिएट पाउडर जब्त किया गया, जिसकी कुल कीमत 66 हजार 660 रुपये है। इसके अलावा टैंक में रखा 3,498 लीटर मिश्रित दूध भी मिला। 1 लाख 32 हजार 924 रुपये मूल्य के इस दूध में व्हे परमिएट पाउडर का इस्तेमाल कर मिलावट किए जाने के संदेह में जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। जांच में पता चला कि सिद्धेश्वर मिल्क डेयरी का दूध फुलंब्री स्थित मेसर्स शिवकृपा दूध डेयरी को आपूर्ति किया जा रहा था। इसके बाद एफडीए की टीम ने शिवकृपा दूध डेयरी पर भी छापा मारकर जांच की। जांच के दौरान शेड्यूल-4 के तहत गंभीर खामियां मिलने और व्हे परमिएट पाउडर का इस्तेमाल कर दूध में मिलावट किए जाने के संदेह में दोनों प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। जांच में यह भी सामने आया कि शिवकृपा दूध डेयरी से दूध मराठवाड़ा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी (केयर ऑफ मेसर्स सोनाई डेयरी, इंदापुर) और पंचमहल सहकारी दूध उत्पादक संघ, गोधरा, गुजरात को आपूर्ति किया जा रहा था। इस संबंध में आगे की जांच जारी है। मामले में दूध में मिलावट करने के उद्देश्य से कार्य करने के आरोप में राजेंद्र जाधव, योगेश लहाने, बी.एम.इंग्रीडिएंट्स, छत्रपति संभाजीनगर और शिवकृपा दूध डेयरी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत फुलंब्री पुलिस स्टेशन में एफआईआर क्रमांक 0355/2026 दर्ज की गई है।

**कोल्हापुर में 5.20 लाख रुपये का प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ जब्त**

8 जुलाई को खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कोल्हापुर विभाग ने शाहापुर पुलिस स्टेशन, इचलकरंजी की संयुक्त टीम के साथ आर.के. नगर, शाहापुर, तहसील हातकणंगले, जिला कोल्हापुर में छापा मारा। कार्रवाई के दौरान बिक्री के लिए रखे गए और तैयार किए जा रहे करीब 5.20 लाख रुपये मूल्य के प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ जब्त किए गए। मामले में भारतीय न्याय संहिता और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इसके अलावा 8 जुलाई को राज्य में 36 होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों की जांच की गई, जिनमें से 10 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दूध और दुग्ध उत्पादों में मिलावट रोकने के लिए राज्यभर में विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# डहाणू और जव्हार डिपो को एक महीने में मिलेंगी 30 नई बसें, एसटी बेड़े में शामिल होंगी कुल 8,300 नई बसें

संवाददाता

मुंबई। पालघर जिले के डहाणू और जव्हार डिपो को एक महीने के भीतर 30 नई बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। भविष्य में आवश्यकता के अनुसार और बसें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। यह जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधान परिषद में दी। बुधवार को विधान परिषद में सदस्य निरंजन डावखरे ने डहाणू और जव्हार डिपो के लिए अच्छी स्थिति वाली बसें उपलब्ध कराने का मुद्दा उठाया था, जबकि सदस्य प्रवीण दरेकर ने राज्य में एसटी बस दुर्घटनाओं में वृद्धि को लेकर सवाल किया। चर्चा में प्रवीण दरेकर, बच्चू कडू और अनिकेत तटकरे ने भाग लिया। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि दुर्गम, आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों तक एसटी सेवा पहुंचाना राज्य सरकार की नीति है। इन क्षेत्रों में निर्बाध परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए बस बेड़े का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले सात-आठ वर्षों में नई बसों की खरीद कम हुई थी। इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध होने में देरी के कारण सरकार ने दोबारा डीजल बसें खरीदने का निर्णय लिया। अब तक 2,640 डीजल बसें खरीदी गई हैं और चरणबद्ध तरीके से कुल 8,300 नई बसें एसटी के बेड़े में शामिल की जा रही हैं। मंत्री सरनाईक ने कहा कि बसों के इस्तेमाल की अधिकतम अवधि 15 वर्ष होने के कारण पुरानी बसों में विशेष रूप से ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में खराबी की घटनाएं बढ़ी थीं। हालांकि, तकनीकी कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के बजाय उनसे अधिक प्रभावी ढंग से काम कराने पर जोर दिया जाएगा। राज्य में एसटी बस दुर्घटनाओं के संबंध में मंत्री सरनाईक ने बताया कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नए चालकों को 48 से 80 दिनों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा सुरक्षित वाहन चलाने का विशेष प्रशिक्षण, सिम्युलेटर के माध्यम से प्रशिक्षण, नियमित दृष्टि जांच, अल्कोहल जांच और सेवाकाल के अनुसार पुनश्चर्या प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में बसों की आयु सीमा 15 वर्ष से घटाकर 8 वर्ष करने और चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसों की ओर बढ़ने की नीति राज्य सरकार ने अपनाई है।

**दुर्गम क्षेत्रों के लिए दो महीने में आएंगी 200 मिनी बसें**

परिवहन मंत्री ने बताया कि पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में बड़ी बसें नहीं पहुंच पाने के कारण राज्य के लिए 200 मिनी बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। ये बसें अगले दो महीनों में सेवा में शामिल हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि इन बसों का संचालन व्यावसायिक लाभ कमाने के बजाय दुर्गम क्षेत्रों के किसानों, आदिवासियों, दिव्यांगों और आम नागरिकों को परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जाएगा। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने यह भी कहा कि एसटी के नवनिर्मित बस पोर्ट में दिव्यांगों के लिए कुछ स्थान आरक्षित रखने के प्रस्ताव पर भी सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

# IMD Issues Yellow Warning for Thunderstorms, Lightning and Strong Winds Across Odisha Till July 15

**BHUBANESWAR:** The India Meteorological Department (IMD) has issued a Yellow Warning for several districts of Odisha, forecasting thunderstorms accompanied by lightning, gusty surface winds and isolated heavy rainfall from July 10 to July 15. The weather agency has urged residents, farmers, fishermen and local authorities to remain vigilant, as adverse weather conditions may pose risks to life, property and transportation. According to the IMD, on July 10, thunderstorms accompanied by lightning and gusty surface winds with speeds of 40–50 kmph are very likely at one or two places in Balasore and Bhadrak districts. Strong surface winds of similar intensity are also expected at isolated places over Jajpur, Kendrapara, Jagatsinghpur, Cuttack, Gajapati, Ganjam, Puri, Khurda and Nayagarh districts. Meanwhile, thunderstorms with lightning and gusty winds reaching 30–40 kmph are likely over Sundargarh, Jharsuguda, Angul, Dhenkanal, Keonjhar and

Mayurbhanj. The warning will continue on July 11, with thunderstorms accompanied by lightning and gusty winds of 30–40 kmph likely at isolated places in Balasore, Bhadrak, Sundargarh, Jharsuguda, Sambalpur, Deogarh, Angul, Keonjhar, Mayurbhanj and Boudh districts. Similar weather conditions are expected on July 12 over Balasore, Bhadrak, Sundargarh, Keonjhar and Mayurbhanj. On July 13, thunderstorms accompanied by lightning and gusty winds of 30–40 kmph are forecast over Sundargarh, Jharsuguda, Bargarh, Sambalpur, Deogarh, Angul, Keonjhar, Mayurbhanj, Sonepur, Boudh and Balangir districts. The Yellow Warning will remain in force on July 14 for these districts, while Balasore and Bhadrak have also been included under the warning. In addition to thunderstorms and gusty winds, isolated heavy rainfall is very likely over Keonjhar and Mayurbhanj districts on the same day. The IMD has further forecast isolated heavy rainfall over Keonjhar and Mayurbhanj on July 15, with the possibility of localized waterlogging in vulnerable areas. The IMD has forecast thunderstorms accompanied by lightning and gusty winds of 30–40 kmph over Sundargarh, Jharsuguda, Bargarh, Sambalpur, Deogarh, Angul, Keonjhar, Mayurbhanj, Sonepur, Boudh and Balangir districts. The Yellow Warning remains in effect for Balasore, Bhadrak, Sundargarh, Jharsuguda, Bargarh, Sambalpur, Deogarh, Angul, Keonjhar, Mayurbhanj, Sonepur, Boudh and Balangir, where thunderstorms, lightning and gusty winds of 30–40 kmph are likely.In addition, isolated heavy rainfall is very likely over Keonjhar and Mayurbhanj districts.

# ACB Books Then Tehsildar Bijbehara, Others In Illegal Land Mutation Scam

**SRINAGAR:** Jammu and Kashmir Anti Corruption Bureau registered a case against the then Tehsildar Bijbehara Ghulam Rasool Bhat, the then Naib Tehsildar Bijbehara Fayaz Ahmad Wani, the concerned Patwari Ghulam Nabi Banday and others for their alleged involvement in the fraudulent attestation of 162 land mutations in Tehsil Bijbehara during the year 2022-2024 for land measuring 1050 Kanals.

The case originated from a source-based complaint alleging that the accused officials, in connivance with others, illegally attested mutations involving about 1,050 kanals of land without execution of registered transfer deeds and without payment of the prescribed registration fee and stamp duty, causing substantial loss to the State exchequer.

Verification conducted by ACB, supported by reports of the Departmental Vigilance Officer (Revenue), departmental inquiry committees and expert opinion, revealed gross violations of revenue laws and Standing Order 23-A. The verification further disclosed that the purported relinquishment deeds were actually sale transactions disguised to evade registration and stamp duty, while money was allegedly routed through intermediaries and multiple bank accounts to conceal the transactions.

On the basis of the material collected, a prima facie case of abuse of official position, criminal conspiracy and criminal misconduct has been established. Accordingly, FIR No. 06/2026 has been registered at Police Station ACB, Anantnag, under Sections 7 and 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and Section 120-B IPC against the accused officials and others. Immediately upon registration of FIR, simultaneous searches were conducted at the respective residential houses of the accused persons after obtaining search warrants from the Hon'ble Court of the Special Judge, ACB, Anantnag.

# Kharge targets Centre's China Policy, Alleges Rising Economic Dependence Since Galwan

**NEW DELHI:** Congress President Mallikarjun Kharge on Thursday targeted the Central Government's approach towards China, alleging that India's economic dependence on its northern neighbour has continued to increase across several key sectors even six years after the Galwan Valley clash. He claimed that the trend has adversely affected the country's national interests.

In a post on social media platform X, Kharge alleged that following the sacrifice of 20 Indian soldiers in the Galwan clash, Prime Minister Narendra Modi had effectively given China a clean chit. He further claimed that while Indian soldiers made the supreme sacrifice in defence of the nation, the Central Government did not take a sufficiently firm stand to safeguard India's interests. The Congress president claimed that by 2025–26, India's imports from China had increased

by 101.81 per cent compared with the post-Galwan period, while the bilateral trade deficit had widened to USD 112.1 billion. Kharge further claimed that 86 per cent of India's antibiotic imports come from China. He also alleged that China accounts for nearly 74 per cent of India's imports of Active Pharmaceutical Ingredients (APIs), bulk drugs, and drug intermediates. Referring to the electric vehicle sector, Kharge claimed that 66 per cent of India's EV components are sourced from China. He added that nearly 75 per cent of the lithium-ion batteries used in electric vehicles in India are imported, with the majority originating from China. According to him, India imported 93 per cent of its permanent magnets from China during 2025–26.

The Congress president also claimed that more than 99 per cent of India's imports of undiffused silicon wafers for the solar energy sector in 2025–26 came from China. He alleged that despite the government's emphasis on the vision of Atmanirbhar Bharat (Self-Reliant India), the renewable energy sector continues to remain heavily dependent on Chinese imports. Kharge further alleged that the Central Government had permitted four Chinese companies to participate in bidding for government power projects, thereby creating fresh business opportunities for them. He also claimed that, according to reports by civil society organisations, China continues to encroach upon Indian territory in Arunachal Pradesh and Ladakh. The Congress leader further claimed that the role allegedly played by China in Pakistan's activities during Operation Sindoor had been referred to by the Vice Chief of the Indian Army and forms part of the official record. He alleged that the Central Government's policies since the Galwan incident have enabled China to strengthen its presence across several strategically important sectors of the Indian economy.

# देशभरात मुसळधार पावसाचा कहर, अनेक राज्यांत रेड व ऑरेंज अलर्ट

**नवी दिल्ली:** देशातील बहुतांश राज्यांमध्ये मुसळधार पावसाने जोरदार हजेरी लावली असून, गेल्या २४ तासांत देशातील निम्म्याहून अधिक भागात जोरदार पाऊस झाला आहे. या पावसामुळे उकाड्यापासून नागरिकांना दिलासा मिळाला असला, तरी अनेक ठिकाणी पाणी साचल्याने जनजीवन विस्कळीत झाले आहे. भारतीय हवामान विभागाने अनेक राज्यांसाठी मुसळधार पावसाचा रेड आणि ऑरेंज अलर्ट जारी केला आहे.

विभागाच्या अंदाजानुसार, पुढील २४ तासांत उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, सिक्कीम, कर्नाटक, उत्तराखंड आणि हिमाचल प्रदेशमध्ये अतिवृष्टीची शक्यता आहे. मध्य भारतात ९ जुलै रोजी मुसळधार पावसाचा इशारा देण्यात आला आहे.

मध्य प्रदेश, पूर्व राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार आणि हिमाचल प्रदेशमध्ये जोरदार पावसाची शक्यता वर्तविण्यात आली आहे. याशिवाय उप-हिमालयीन पश्चिम बंगाल, सिक्कीम, आसाम, मेघालय, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिम मध्य प्रदेश, कोकण आणि गोवा

येथे मुसळधार ते अतिमुसळधार पावसाचा अंदाज व्यक्त करण्यात आला असून, या भागांसाठी रेड अलर्ट जारी करण्यात आला आहे.

दरम्यान, गुजरात, पूर्व राजस्थान, पूर्व मध्य प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, नागालँड, मणिपूर, त्रिपुरा आणि किनारपट्टीवरील कर्नाटक या भागांसाठी ऑरेंज अलर्ट जारी करण्यात आला असून, येथेही जोरदार पावसाची शक्यता आहे.

दिल्लीसह पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आणि राजस्थानच्या काही भागांतही पावसाचा अंदाज हवामान विभागाने व्यक्त केला आहे. हवामान विभागाच्या माहितीनुसार, 9 जुलैनंतर मध्य भारतातील पावसाचा जोर काहीसा कमी होण्याची शक्यता असून, गुरुवारपासून पावसाचे प्रमाण घटण्याचा अंदाज आहे. गेल्या 24 तासांत कोकण, मध्य महाराष्ट्र आणि दक्षिण कर्नाटकमध्ये अत्यंत मुसळधार पाऊस झाला. या भागांत 21 सेंटीमीटर किंवा त्याहून अधिक पावसाची नोंद झाली असून, अनेक ठिकाणी वादळी वारे आणि विजांच्या कडकडाटासह पाऊस झाला.

तसेच मराठवाडा, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, कर्नाटकचा किनारी भाग, बिहार, मेघालय आणि त्रिपुरा येथे 12 ते 20 सेंटीमीटरपर्यंत अतिमुसळधार पावसाची नोंद झाली.

पूर्व उत्तर प्रदेश, पूर्व राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, तामिळनाडू, पुडुचेरी, कराईकल, केरळ, माहे, उत्तर अंतर्गत कर्नाटक तसेच उप-हिमालयीन पश्चिम बंगाल आणि सिक्कीम येथे 7 ते 11 सेंटीमीटरपर्यंत मुसळधार पाऊस झाला. पावसामुळे उष्णतेपासून नागरिकांना दिलासा मिळाला असला, तरी अनेक शहरांमध्ये रस्त्यांवर पाणी साचल्याने वाहतूक विस्कळीत झाली आहे.

## पंतप्रधान मोदींकडून कर्नाटकमधील अपघाताबद्दल शोक व्यक्तनवी

**नवी दिल्ली:** पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी कर्नाटकच्या उत्तर कन्नड जिल्ह्यातील कारवार येथे झालेल्या अपघाताबद्दल शोक व्यक्त केला. त्यांनी शोकाकुल कुटुंबियांप्रति सहानुभूती व्यक्त केली आणि जखमींच्या शीघ्र आरोग्यासाठी प्रार्थना केली. पंतप्रधान मोदींनी गुरुवारी सोशल मीडिया प्लॅटफॉर्म 'एक्स'वर सांगितले की, कर्नाटकच्या उत्तर कन्नड जिल्ह्यातील कारवार येथे झालेला अपघात अत्यंत दुःखद आहे. या कठीण काळात मृतांच्या कुटुंबीयांप्रति त्यांच्या संवेदना आहेत. त्यांनी अपघातातील जखमींच्या शीघ्र आरोग्यासाठी प्रार्थनाही केली. कर्नाटकच्या उत्तर कन्नड जिल्ह्यातील यल्लापूर तालुक्यात, अरबैल घाटातील बलगरजवळ एक क्रूझर वाहन आणि ट्रक यांच्यात झालेल्या समोरासमोरच्या धडकेत सहा जणांचा मृत्यू झाला आणि चार जण गंभीर जखमी झाले.

# देशात पावसाची एकूण तूट 24 टक्क्यांवर, आतापर्यंत 350 लाख हेक्टरवर खरीप पेरणी पूर्ण

**नवी दिल्ली:** एल निनोच्या संभाव्य प्रभावामुळे नैऋत्य मोसमी पावसाच्या अनिश्चिततेच्या पार्श्वभूमीवर, पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या नेतृत्वाखालील केंद्र सरकार सर्वसमावेशक तयारी, स्पष्ट धोरण आणि तळागाळापर्यंतच्या ठोस कृतीसह परिस्थिती हाताळत आहे.

आव्हाने असली तरी, त्यांचा प्रभाव कमी करण्यासाठी संपूर्ण यंत्रणा यापूर्वीच सक्रिय करण्यात आली आहे, आणि ती पूर्ण क्षमतेने काम करत आहे.

केंद्रीय कृषी, कृषक कल्याण आणि ग्राम विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान म्हणाले की, जूनमध्ये 33% पावसाची तूट नोंदवली गेली, त्यानंतर जुलैमध्ये मान्सूनच्या परिस्थितीत सुधारणा दिसून आली, आणि पावसाची एकूण तूट कमी होऊन 24 टक्क्यांवर आली. त्यांनी पुढे सांगितले की, गेल्या काही दिवसांत देशाच्या अनेक भागांमध्ये चांगला पाऊस झाल्यामुळे पर्जन्यमानाची कमतरता असलेल्या जिल्ह्यांची संख्या 262 वरून 178 वर आली. नवी दिल्लीत उच्च स्तरीय आढावा बैठकीनंतर प्रसारमाध्यमांशी बोलताना चौहान म्हणाले की, केंद्र सरकार महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान,

कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगणा, आंध्र प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल आणि ओडिशा येथील परिस्थितीवर बारकाईने लक्ष ठेवत आहे. जुलै महिन्यात पावसाचा जोर आणखी वाढेल, आणि त्यामुळे खरीपातील पेरणीला गती मिळेल, असा विश्वास त्यांनी व्यक्त केला. आतापर्यंत 350.85 लाख हेक्टरवर खरीप पेरणी पूर्ण झाली असून गेल्या वर्षीच्या याच कालावधीच्या तुलनेत ती अंदाजे 91.95 लाख हेक्टरने कमी आहे अशी माहिती केंद्रीय मंत्र्यांनी दिली.

त्यांनी सांगितले की, मान्सूनच्या उशिरा आगमनाचा विशेषतः सोयाबीन आणि कापसाच्या पेरणीवर परिणाम झाला आहे. तथापि, पावसाला झालेल्या विलंबाचा परिणाम कमी करण्यासाठी शेतकऱ्यांना मका, बाजरी आणि मूग यासारखी कमी कालावधीत तयार होणारी आणि कमी पाणी लागणारी पिके घेण्याचा सल्ला देण्यात आला आहे. चौहान म्हणाले की, सरकारने एप्रिलपासूनच या आव्हानाचा सामना करण्याची तयारी सुरू केली होती.

भारतीय कृषी संशोधन परिषदेच्या सहकार्याने, प्रभावित होण्याची शक्यता असलेल्या जिल्ह्यांसाठी आपत्कालीन योजना तयार करण्यात आल्या आणि राज्य सरकारांना त्या खूप आधीच कळवण्यात आल्या. जून महिन्यात राबवण्यात आलेल्या 'खेत बचाओ अभियाना'चा एक भाग म्हणून, देशभरात 1.24 लाखांहून अधिक कार्यक्रम आयोजित करण्यात आले आणि या माध्यमातून 80 लाखांहून अधिक शेतकऱ्यांपर्यंत थेट पोहोचता आले. केंद्रीय मंत्री म्हणाले की, पेरणीची कामे अखंडितपणे सुरू राहावीत यासाठी सरकारने सुमारे 1.75 लाख क्विंटल राष्ट्रीय बियाणे साठा राखला आहे, जेणेकरून सर्व परिस्थितीत बियाण्यांची पुरेशी उपलब्धता सुनिश्चित होईल. त्यांनी पुढे सांगितले की, किसान क्रेडिट कार्ड मोहीम तीव्र करण्यात आली असून, 30 जूनपर्यंत प्राप्त झालेल्या 1.14 लाख अर्जांपैकी 94,000 हून अधिक अर्ज मंजूर करण्यात आले आहेत.

# इराणमधील ९० लष्करी तळ लक्ष्य केल्याचा अमेरिकेचा दावा

**वॉशिंग्टन:** अमेरिकन सैन्याने बुधवारी रात्री पुन्हा इराणवर नव्या हल्ल्यांची मालिका सुरू केली आहे. अमेरिकन सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा केला की, त्यांनी इराणच्या सुमारे 90 लष्करी तळांना लक्ष्य केले. त्यांनी सांगितले की, होर्मुझ सामुद्रधुनीत जहाजांवर होणारे इराणी हल्ले रोखण्यासाठी ही कारवाई करण्यात येत आहे. दुसरीकडे, इराणच्या सरकारी वृत्तसंस्थाने सांगितले की, खुजेस्तान प्रांतातील अहवाज शहराच्या बाहेरील भागात झालेल्या हल्ल्यात 3 लोकांचा मृत्यू झाला, तर अनेक जण जखमी झाले आहेत. स्थानिक प्रशासनानुसार, मदत आणि बचाव कार्य सुरू आहे.

सेंटकॉमने दिलेल्या माहितीनुसार, अमेरिकन सैन्याने इराणमधील सुमारे ९० लष्करी तळांना लक्ष्य केले. यामध्ये हवाई संरक्षण यंत्रणा, किनारपट्टीवरील देखरेखीसाठी वापरली जाणारी उपकरणे, क्षेपणास्त्र आणि ड्रोन साठवण केंद्रे, नौदलाशी संबंधित तळ तसेच इराणच्या समुद्रकिनारी असलेली लष्करी

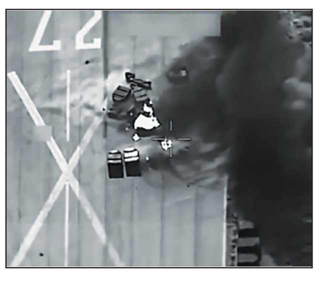

रसद (लॉजिस्टिक्स) पायाभूत सुविधा यांचा समावेश होता. अमेरिकन सैन्याचा दावा आहे की, या हल्ल्यांमुळे इराणच्या नौदल क्षमतेला मोठा फटका बसला आहे.

डोनाल्ड ट्रम्प यांनी त्यांच्या 'ट्रुथ सोशल' या सोशल मीडिया प्लॅटफॉर्मवर इराणवरील हल्ल्याचा व्हिडीओ आणि एक पोस्ट शेअर केली. त्यात म्हटले आहे की, स्थानिक अधिकाऱ्यांनी आता पुष्टी केली आहे की अमेरिकन हल्ल्यांमध्ये इराणच्या आग्नेयेकडील शहरातील विमानतळ आणि हवाई तळाला लक्ष्य करण्यात आले होते. या तळाचा वापर इस्लामिक रिव्होल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स एरोस्पेस फोर्सकडून केला जात असल्याचे सांगितले जाते. दरम्यान इराणच्या वृत्तसंस्थांच्या माहितीनुसार, बंदर अब्बास आणि सीरिक येथे जोरदार स्फोट झाले. या घटनेत एका व्यक्तीचा मृत्यू झाल्याचे, तर दुसरी व्यक्ती गंभीर जखमी झाल्याचे वृत्त आहे. अहवालांनुसार, चाबहार आणि कोनारक येथे अमेरिकन सैन्याने हवाई हल्ले केले. या हल्ल्यांमुळे चाबहारमधील वीजपुरवठा खंडित झाला आहे. तसेच, एका वृत्तानुसार अमेरिकन सैन्याने अक्काला येथील रेल्वे पूल उडवून दिला आहे. मंगळवारी इराणने होर्मुझ सामुद्रधुनीत तीन मालवाहू जहाजांवर हल्ला केला होता. त्याच्या प्रत्युत्तरात अमेरिकेने इराणमधील विविध लष्करी ठिकाणांवर हल्ले केले. दरम्यान, इराणकडूनही अमेरिकन हल्ल्यांना प्रत्युत्तर दिले जात असल्याचा दावा करण्यात आला आहे.

वृत्तानुसार, इस्लामिक रिव्होल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स (आयआरजीसी) ने म्हटले आहे की, प्रत्युत्तरात्मक कारवाईच्या पहिल्या टप्प्यात कुवेतमधील अमेरिकन छावणी 'कॅम्प अरिफजान' आणि 'अली अल सलेम' हवाई तळ, तसेच बहरीनमधील 'जुफैर' आणि 'शेख ईसा' हवाई तळांवरील अमेरिकन ठिकाणांवर संयुक्तपणे क्षेपणास्त्र आणि ड्रोन हल्ले करण्यात आले. त्यानंतर अमेरिकेने ही प्रत्युत्तरात्मक कारवाई केल्याचे सांगितले जात आहे. आग्नेय इराणमधील इरानशहर विमानतळावर अमेरिकन सैन्याने केलेल्या हल्ल्यात एका अग्निशमन दलाच्या कर्मचाऱ्याचा मृत्यू झाला असल्याची माहिती समोर आली आहे.

# प्रभास ने बताया कैसे राजामौली ने बनाया 'परफेक्ट बाहुबली'

**मुंबई।** भारतीय सिनेमा की सबसे ऐतिहासिक फिल्मों में शामिल 'बाहुबली: द बिगिनिंग' को रिलीज हुए 11 साल पूरे हो चुके हैं। निर्देशक एसएस राजामौली की इस फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा, बल्कि भारतीय सिनेमा की भव्यता को भी वैश्विक पहचान दिलाई। इस फिल्म के जरिए प्रभास पैन इंडिया सुपरस्टार के रूप में उभरे और अमरेंद्र बाहुबली व महेंद्र बाहुबली के उनके किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। हालांकि, पर्दे पर दिखाई देने वाला यह भव्य किरदार निभाना प्रभास के लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके पीछे कई सालों की कठिन ट्रेनिंग, अनुशासन और कड़ी मेहनत छिपी थी। हाल ही में प्रभास ने फिल्म की तैयारी से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी आया जब एसएस राजामौली ने उन्हें घर पर घोड़ा पालने तक की सलाह दे दी थी। प्रभास ने बताया कि 'बाहुबली' की तैयारी के दौरान उन्हें नियमित रूप से हॉर्स राइडिंग सीखनी थी, लेकिन कई बार वह ट्रेनिंग सेशन मिस कर देते थे और मौसम का बहाना बना देते थे। इस पर राजामौली ने उन्हें गंभीरता से अभ्यास करने की सलाह दी। प्रभास ने हंसते हुए कहा कि मैं हॉर्स राइडिंग के सेशन छोड़ देता था और मौसम का बहाना बना देता था। तब राजामौली सर ने कहा कि अगर सच में इस किरदार को निभाना है तो घर पर ही एक घोड़ा रख लो और रोज अभ्यास करो। 'बाहुबली' के लिए प्रभास ने सिर्फ हॉर्स राइडिंग ही नहीं, बल्कि तलवारबाजी, रॉक क्लाइम्बिंग, फिजिकल ट्रेनिंग और एक्शन सीक्वेंस की भी लंबी तैयारी की थी। एसएस राजामौली चाहते थे कि फिल्म का हर दृश्य वास्तविक और प्रभावशाली लगे, इसलिए कलाकारों की ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान दिया गया। इसी समर्पण और मेहनत का नतीजा था कि 'बाहुबली' भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हुई। प्रभास का अभिनय आज भी उनके करियर की सबसे यादगार परफॉर्मेंस माना जाता है।

# 'जन नायगन' की रिलीज को लेकर चर्चाएं तेज, मेकर्स की पुष्टि बाकी

**मुंबई।** तमिल सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायगन' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। पहले यह फिल्म इसी साल जनवरी में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सेंसर से जुड़ी प्रक्रियाओं के चलते इसकी रिलीज टल गई। अब एक नई रिपोर्ट ने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। सोशल मीडिया और टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आने के बाद इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कनाडा की फिल्म डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी यॉर्क सिनेमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया है कि 'जन नायगन' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट में कहा गया कि फिल्म को कनाडा में भी इसी तारीख से प्रदर्शित किया जाएगा। इस अपडेट के बाद विजय के फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की रिलीज डेट 24 जुलाई दिखाई गई है। वेबसाइट पर यह भी उल्लेख है कि फिल्म को UA16+ सर्टिफिकेट मिला है। फिलहाल फिल्म के निर्माताओं की ओर से न तो रिलीज डेट और न ही सेंसर सर्टिफिकेट को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि फिल्म वास्तव में 24 जुलाई को रिलीज होगी या नहीं। साथ ही, इसे कौन-सा सेंसर सर्टिफिकेट मिला है, इस पर भी आधिकारिक पुष्टि बाकी है। जब तक मेकर्स की ओर से घोषणा नहीं होती, तब तक इन सभी जानकारियों को रिपोर्ट्स और दावों के आधार पर ही देखा जा रहा है। 'जन नायगन' को लेकर फैंस की उत्सुकता इसे थलपति विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म माना जा रहा है। विजय अब सक्रिय राजनीति में पूरी तरह उतर चुके हैं और फिल्मों से दूरी बना चुके हैं। उनके प्रशंसक इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में रिलीज डेट और आधिकारिक अपडेट का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। अगर जल्द मेकर्स की ओर से पुष्टि होती है, तो यह विजय के करोड़ों फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी साबित हो सकती है।

# बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए बदली गई 'वन' की रिलीज डेट

**मुंबई।** सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फिल्म 'वन' की रिलीज डेट एक बार फिर बदल दी गई है। मेकर्स ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि अब यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले फिल्म 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर होने वाले बड़े क्लैश को देखते हुए इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया। दरअसल, 26 अगस्त को सुपरस्टार यश की मेगा बजट फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज हो रही है, जबकि 28 अगस्त को श्रद्धा कपूर की 'ईठा' सिनेमाघरों में दस्तक देगी। दोनों फिल्मों को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में मेकर्स ने 'वन' को इन फिल्मों से टकराने के बजाय नई रिलीज डेट देने का फैसला किया है। नई रिलीज डेट के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का एक एआई जनरेटेड मोशन पोस्टर भी शेयर किया। वन के नए पोस्टर में नंदी और बाघ के बीच खड़ा एक रहस्यमयी किरदार नजर आता है, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। पोस्टर शेयर करते हुए सिद्धार्थ ने लिखा कि बाघ उसकी दहाड़ है, नंदी उसकी शक्ति, और वन उसकी कहानी। इस पोस्ट पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी फायर इमोजी के जरिए अपना रिएक्शन दिया। 'वन' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली बार साथ नजर आएंगे। फिल्म में सुनील ग्रोवर, मनीष पॉल, श्वेता तिवारी और अनुप सोनी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन लोकप्रिय वेब सीरीज 'पंचायत' के निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा ने किया है। रिलीज से पहले मेकर्स फिल्म की कहानी पर आधारित एक कॉमिक बुक भी लॉन्च कर चुके हैं, जिससे दर्शकों के बीच इसका क्रेज और बढ़ गया है। 'वन' की रिलीज डेट पहले भी कई बार बदली जा चुकी है। शुरुआत में इसे साल 2025 में छठ के मौके पर रिलीज करने की योजना थी। बाद में इसे 15 मई के लिए शिफ्ट किया गया। फिर ट्रेड एनालिस्ट्स ने 28 अगस्त की रिलीज डेट की जानकारी दी, लेकिन अब एक बार फिर बदलाव करते हुए इसे 25 सितंबर तक टाल दिया गया है।

# टमाटर को लंबे समय तक ताजा रखना है? आज ही अपनाएं ये स्मार्ट ट्रिक्स

**टमाटर लगभग हर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है और ज्यादातर सब्जियों का स्वाद बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हालांकि, सही तरीके से स्टोर न करने पर टमाटर जल्दी नरम पड़ने लगते हैं और कुछ ही दिनों में सड़ जाते हैं। इससे न केवल खाने-पीने की चीजों का नुकसान होता है, बल्कि बार-बार टमाटर खरीदने से अनावश्यक खर्च भी बढ़ जाता है।**

अच्छी बात यह है कि कुछ आसान और प्रभावी स्टोरेज टिप्स अपनाकर टमाटरों की ताजगी लंबे समय तक बरकरार रखी जा सकती है। सही तरीके से रखने पर वे अधिक दिनों तक फ्रेश, स्वादिष्ट और इस्तेमाल के लिए उपयुक्त बने रहते हैं।

**गर्मियों के टमाटरों को कैसे संरक्षित करें?**

- **डंठल वाला हिस्सा नीचे रखें:** टमाटर को रखने का तरीका भी उसकी फ्रेशनेस पर असर डालता है। हमेशा टमाटर को उल्टा यानी डंठल वाली साइड नीचे करके रखना चाहिए। इससे हवा अंदर कम जाती है और टमाटर जल्दी सड़ते नहीं हैं।
- **पेपर में लपेटकर रखें:** अगर आप चाहते हैं कि टमाटर ज्यादा समय तक फ्रेश रहें, तो उन्हें अखबार या हल्के से पेपर में लपेटकर रखें। इससे एक्स्ट्रा नमी कंट्रोल में रहती है और टमाटर जल्दी गलते नहीं हैं।
- **मिट्टी के बर्तन में करें स्टोर:** पुराने समय में लोग सब्जियां फ्रेश रखने के लिए मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करते थे. मटका या मिट्टी का बर्तन अंदर से ठंडा रहता है। इसमें टमाटर रखकर ऊपर से ढक देने पर वो कई दिनों तक फ्रेश बने रह सकते हैं।
- **कच्चे और पके टमाटर अलग रखें:** कभी भी सभी टमाटरों को एक साथ नहीं रखना चाहिए। पके हुए टमाटर एक खास तरह की गैस छोड़ते हैं, जिससे आसपास रखे दूसरे टमाटर भी जल्दी पकने और खराब होने लगते हैं इसलिए कच्चे और पके टमाटरों को अलग-अलग रखें।
- **धूप से दूर रखें:** टमाटरों को ऐसी जगह पर बिल्कुल नहीं रखना चाहिए, जहां बहुत ज्यादा गर्मी हो या सीधा धूप आती हो. गर्मी और धूप टमाटर को तेजी से खराब कर देती है। इसलिए इन्हें हमेशा ठंडी, सूखी और हवादार जगह पर रखें।

**टमाटर क्यों इतना फायदेमंद?**

आयुर्वेद एक्सपर्ट्स के अनुसार, टमाटर में लाइकोपेन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो हृदय रोग और कैंसर के खतरे को कम करने में मदद करता है। टमाटर में विटामिन C के साथ-साथ सोडियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और सल्फर जैसे जरूरी खनिज पाए जाते हैं। इसमें मौजूद ग्लूटाथियोन इम्यूनिटी को मजबूत करता है और शरीर को कई बीमारियों से बचाने में सहायक होता है। टमाटर ब्लड सर्कुलेशन को भी सामान्य बनाए रखने में मदद करता है।

# घर पर बनाएं नेचुरल Vitamin C सीरम, पाएं चमकदार और बेदाग त्वचा

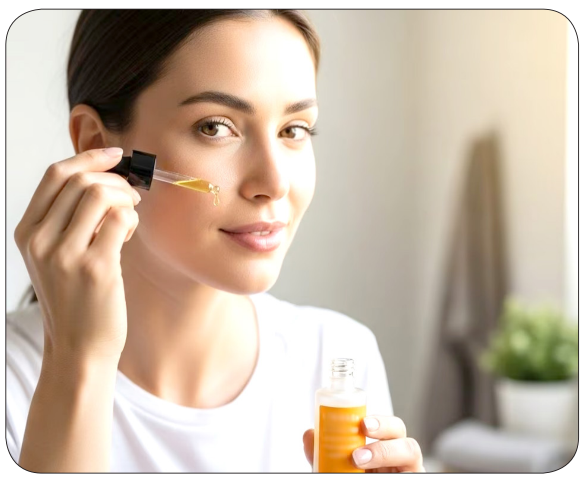

अगर आप भी बेदाग, दमकती और हेल्दी स्किन चाहते हैं, तो विटामिन सी सीरम आपकी स्किनकेयर रूटीन का अहम हिस्सा बन सकता है। यह त्वचा की रंगत निखारने, पिग्मेंटेशन, टैनिंग, झुर्रियों और डार्क स्पॉट्स को कम करने में मदद करता है। हालांकि बाजार में मिलने वाले कई विटामिन सी सीरम महंगे होने के साथ-साथ केमिकल युक्त भी हो सकते हैं। ऐसे में आप सिर्फ पांच आसान सामग्री की मदद से घर पर ही नेचुरल विटामिन सी सीरम तैयार कर सकते हैं, जो किफायती होने के साथ त्वचा की देखभाल के लिए भी बेहतरीन विकल्प है।

**विटामिन सी बनाने के लिए सामग्री**

- एलोवेरा जेल
- विटामिन ई कैप्सूल
- ग्लिसरीन
- विटामिन सी कैप्सूल
- गुलाब जल

**विटामिन सी सीरम बनाने की विधि**

- सीरम बनाने के लिए एक कटोरी ले लीजिए, इसमें गुलाब जल और एलोवेरा जेल को डालकर अच्छी तरह से मिलाएं।
- इसे तब तक मिक्स करें, जब तक सारी गांठें खुलकर एक क्रीम जैसी कंसिस्टेंसी न हो जाएं।
- सभी चीजों को पूरी तरह से मिक्स करने के बाद विटामिन सी की गोलियां को पीसकर पाउडर बना लें और इस पाउडर को कटोरी में मौजूद इंग्रेडिएंट्स के साथ मिक्स करें।
- अब इसमें विटामिन ई कैप्सूल को काटकर उसके जेल को मिश्रण में डालें, इसके बाद ग्लिसरीन डालकर मिक्स करें।
- एक बार सभी सामग्री घुल जाने के बाद सिरम को एक साफ कंटेनर में ट्रांसफर कर लीजिए।
- इस मिक्सचर को 5 से 6 घंटे के लिए रेफ्रिजरेट करें, इसके बाद आपका सिरम इस्तेमाल के लिए तैयार है।

**इस्तेमाल का तरीका**

इसे रात में लगाने से यह स्किन पर अच्छी तरह काम करता है। रात में सोने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करें। अब 2 से 3 बूंद सीरम लेकर चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से मालिश करें। इसे पूरी रात लगा रहने दें और सुबह उठकर चेहरा धो लें।

**विटामिन सी सीरम के फायदे**

- विटामिन सी का काम कोलेजिन निर्माण करना होता है। उम्र बढ़ने पर त्वचा में कोलेजिन प्रोडक्शन कम होने लगता है, इससे त्वचा अपनी लोच खोने लगता है। चेहरे पर झुर्रियां और फाइन लाइंस नजर आने लगती है। ऐसे में विटामिन सी सिरम एक नेचुरल कोलेजिन बूस्टर की तरह काम करता है और त्वचा में कसावट लाता है।
- यह सीरम पिगमेंटेशन में भी प्रभावकारी है। विटामिन सी हमारे शरीर में मेलानिन को कम करता है, जिससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे व अन इवन स्किन टोन की समस्या कम होती है।
- विटामिन सी सीरम ये डार्क सर्कल को भी कम करने में मदद करता है। विटामिन सी की केलेजिन बूस्टिंग क्षमता आंखों के नीचे की त्वचा को मोटा करती है। इससे डार्क सर्कल्स कम होते हैं।

# साउंड इंजीनियरिंग: ध्वनि की दुनिया में सुनहरा करियर

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म, यू-ट्यूब, पॉडकास्ट, संगीत उद्योग, धार्मिक आयोजन, कार्पोरेट इवेंट, स्पोर्ट्स लीग और लाइव कॉन्सर्ट जैसे आयोजन तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके कारण प्रशिक्षित साउंड इंजीनियरों और लाइव ऑडियो विशेषज्ञों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। इसलिए साउंड इंजीनियरिंग का कैरियर बेहद साउंड यानी मजबूत हो चला है। बारहवीं के बाद संबंधित विषयों की पढ़ाई व कुछ प्रशिक्षण के बाद साउंड इंजीनियरिंग, डिजाइनिंग और उसे आर्टिस्टिक बनाने के काम में माहिर हुआ जा सकता है।

जब किसी फिल्म का भावनात्मक दृश्य हमें रुला देता है, किसी क्रिकेट मैच का माहौल रोमांच पैदा कर देता है, किसी धार्मिक आयोजन में मंत्रोच्चार मन को छू जाता है या किसी बड़े कॉन्सर्ट में हजारों लोग एक साथ खड़े होकर थिरकने लगते हैं, क्या मालूम है, तब इसके पीछे कौन होता है? जवाब है, वे कलाकार जो ध्वनि को सही रूप देने के विशेषज्ञ होते हैं अर्थात साउंड इंजीनियर। वास्तव में साउंड इंजीनियरिंग कैरियर का एक चमकदार कैरियर बनकर उभरा है। हालांकि साउंड इंजीनियरिंग की हमेशा से हमारे समाज में एक महत्वपूर्ण जगह रही है, लेकिन इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म, यू-ट्यूब, पॉडकास्ट, संगीत उद्योग, धार्मिक आयोजन, कार्पोरेट इवेंट, स्पोर्ट्स लीग और लाइव कॉन्सर्ट जैसे आयोजन तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके कारण प्रशिक्षित साउंड इंजीनियरों और लाइव ऑडियो विशेषज्ञों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। इसलिए आज साउंड इंजीनियरिंग का कैरियर बेहद साउंड यानी मजबूत हो चला है।

**ध्वनि को सुरीले रूप में श्रोता तक पहुंचाना**

सामान्य भाषा में कहें तो ध्वनि को रिकॉर्ड करना या प्रवाहित हो रही ध्वनि को नियंत्रित करना अथवा बहुत सारे शोरगुल के बीच किसी ध्वनि को साफ करना, किसी ध्वनि में कोई दूसरी ध्वनि मिलाना और उसे श्रोताओं तक सर्वोत्तम रूप में पहुंचाना यही सब गतिविधियां साउंड इंजीनियरिंग है। लेकिन एक साउंड इंजीनियर को इसके लिए बहुत कुछ पढ़ना और समझना होता है। मसलन ध्वनि कैसे बनती है, माइक्रोफोन कैसे काम करते हैं, रिकॉर्डिंग कैसे की जाती है, किसी बातचीत या गीत-संगीत में शामिल अतिरिक्त शोर को कैसे हटाया जाता है, साथ ही बड़े आयोजनों में हजारों लोगों तक ध्वनि कैसे पहुंचायी जाती है। इन सब बातों को जानना और इनके बारे में पढ़ना ही साउंड इंजीनियरिंग है। आज इस क्षेत्र में रिकॉर्डिंग, फिल्म साउंड, गेम ऑडियो, पॉडकास्ट, रेडियो, म्यूजिक प्रोडक्शन और लाइव इवेंट टेक्नोलॉजी जैसी शाखाएं विकसित हो चुकी हैं। भविष्य में भी इस क्षेत्र में कई नई शाखाओं के विकसित होने और साउंड इंजीनियरों की मांग लगातार बढ़ने की उम्मीद है।

**कैरियर की संभावनाएं**

इस क्षेत्र में कई तरह के कैरियर मौजूद हैं और सबकी इन दिनों खूब मांग है, क्योंकि इस क्षेत्र का हर कैरियर अपने आपमें कंप्लीट है, उसकी जगह इसी क्षेत्र का कोई दूसरा व्यक्ति आसानी से नहीं ले सकता। बहरहाल इन दिनों साउंड इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जो खास कैरियर मौजूद हैं, वे इस प्रकार से हैं-

**रिकॉर्डिंग इंजीनियर:** ये स्टूडियो में गायकों और कलाकारों की आवाज को रिकॉर्डिंग का काम करते हैं। ● **मिक्सिंग इंजीनियर :** ये विभिन्न ध्वनियों को संतुलित करके उन्हें अंतिम रूप देते हैं। ● **मास्टरिंग इंजीनियर :** संगीत या ऑडियो की अंतिम गुणवत्ता तैयार करते हैं। ● **लाइव साउंड इंजीनियर :** कॉन्सर्ट और आयोजनों की ध्वनि व्यवस्था यही लोग संभालते हैं। ● **फिल्म साउंड डिजाइनर :** ये वो लोग होते हैं जो फिल्मों और वेब सीरीज के लिए ध्वनि प्रभाव यानी साउंड इफेक्ट तैयार करते हैं। आजकल इनकी मांग काफी ज्यादा है। ● **फोनी आर्टिस्ट :** ये वो कलाकार होते हैं, जो अलग-अलग मौके के लिए जरूरी कृत्रिम ध्वनि प्रभाव बनाते हैं। ● **पॉडकास्ट और ब्रॉडकास्ट ऑडियो विशेषज्ञ :** ये रेडियो और डिजिटल ऑडियो प्लेटफॉर्म के लिए ये काम करते हैं और किसी भी ध्वनि को सुनने लायक यानी कर्णप्रिय बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

**जरूरी पढ़ाई:** साउंड इंजीनियरिंग बनने के लिए जरूरी नहीं कि आप इंजीनियरिंग पढ़ें। बारहवीं के बाद किसी भी स्ट्रीम का छात्र साउंड इंजीनियरिंग से संबंधित पढ़ाई कर सकता है। इस क्षेत्र में जाने के लिए महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम बीएससी साउंड इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन साउंड इंजीनियरिंग, सर्टिफिकेट इन साउंड रिकॉर्डिंग, ऑडियो इंजीनियरिंग एंड म्यूजिक प्रोडक्शन, पीजी डिप्लोमा इन साउंड रिकॉर्डिंग एंड डिजाइन आदि हैं। वहीं इस क्षेत्र की पढ़ाई करने के लिए प्रमुख संस्थान हैं- फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, सत्यजित राय फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट, सेमइ स्कूल ऑफ प्रो-एक्सप्रेशनिज्म,

**शैक्षिक योग्यता से इतर काबिलियत**

इस क्षेत्र में जाने के लिए शैक्षिक योग्यता से कुछ इतर योग्यताओं की भी जरूरत होती है। जैसे संगीत और ध्वनि में रुचि का होना। जरूरी नहीं है कि आप संगीतकार ही हों। लेकिन अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो शर्त है कि ध्वनि के प्रति आपके अंदर संवेदनशीलता हो। आपके अंदर अच्छी और खराब ध्वनि का आकलन हो। इस क्षेत्र में जाने के लिए दूसरी जरूरी योग्यता है कि ध्वनि तकनीक के प्रति आपमें लगाव हो। सॉफ्टवेयर, रिकॉर्डिंग सिस्टम और उपकरणों की समझ हो, यह भी जरूरी है। इसके साथ ही आपमें धैर्य का होना भी जरूरी है।

# पौधरोपण के साथ संरक्षण भी जरूरी, वन विभाग ने सामाजिक संगठनों के साथ बनाई रणनीति

■ **डीएफओ की अध्यक्षता में स्वयंसेवी संस्थाओं की बैठक, पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई और ट्री गार्ड की व्यवस्था पर जोर**

संवाददाता

**उन्नाव, उत्तर प्रदेश।** पौधरोपण अभियानों को अधिक प्रभावी और सफल बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से वन विभाग उन्नाव में जिला वन अधिकारी (डीएफओ) की अध्यक्षता में जनपद की विभिन्न सक्रिय स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) के संचालकों एवं प्रतिनिधियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पौधरोपण अभियान की सफलता, लगाए गए पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सामाजिक संगठनों से सुझाव और सहयोग आमंत्रित किया गया।

बैठक के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पौधरोपण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिला वन अधिकारी के समक्ष अपने सुझाव रखे। डॉ. रचना त्रिवेदी ने पौधरोपण के साथ पौधों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में ट्री गार्ड उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के बाद उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि पौधरोपण अभियान का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके। भारत उन्नयन समिति के संस्थापक एवं सामाजिक कार्यकर्ता शैलेन्द्र पाण्डेय ने सुझाव दिया कि पौधरोपण अभियानों के दौरान बड़ी संख्या में पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन नियमित देखभाल और सिंचाई के अभाव में अधिकांश पौधे सूख जाते हैं। इसलिए वन विभाग को पौधरोपण के साथ-साथ पौधों के नियमित रखरखाव और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ठोस व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण अभियान की सफलता केवल लगाए गए पौधों की संख्या से नहीं, बल्कि कितने पौधे जीवित रहकर वृक्ष का रूप लेते हैं, इससे तय होनी चाहिए। इसके लिए वन विभाग, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाना आवश्यक है। जिला वन अधिकारी ने सामाजिक संगठनों की ओर से मिले सुझावों को महत्वपूर्ण और तर्कसंगत बताते हुए कहा कि पौधों की सुरक्षा, नियमित देखभाल और सिंचाई की व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस दिशा में शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि लगाए गए पौधों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में आगामी पौधरोपण अभियानों को जनभागीदारी से जोड़ने, सामाजिक संगठनों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में एनएसएस की डॉ. रचना त्रिवेदी, एसडीएस फाउंडेशन के धर्मेन्द्र शर्मा, सनातन सरोकार फाउंडेशन के निकुंज बाजपेई, हनुमंत जीव आश्रय के विवेक तिवारी तथा भारत उन्नयन समिति के संस्थापक एवं सामाजिक कार्यकर्ता शैलेन्द्र पाण्डेय सहित जनपद के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी पौधरोपण अभियानों को अधिक प्रभावी और परिणामकारी बनाना तथा जनसहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को नई गति प्रदान करना रहा।

# कार्यवाहक सीएमएस डॉ.अरविंद आनंद की पहल से महिला जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार

■ **नियमित वार्ड निरीक्षण, साफ-सफाई और मरीजों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर दिया जा रहा विशेष ध्यान**

संवाददाता

**उन्नाव, उत्तर प्रदेश।** उमा शंकर दीक्षित महिला जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर मरीजों एवं उनके परिजनों द्वारा कार्यवाहक सीएमएस डॉ. अरविंद आनंद की कार्यशैली की सराहना की जा रही है। मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल में उपचार व्यवस्था के साथ-साथ साफ-सफाई और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

कार्यवाहक सीएमएस डॉ. अरविंद आनंद नियमित रूप से अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। इस दौरान वह भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जानने के साथ उपचार और अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी भी लेते हैं। अस्पताल प्रशासन की ओर से चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके चलते अस्पताल आने वाले मरीजों को उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है। अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अस्पताल आने वाली महिलाओं और उनके परिजनों का कहना है कि उन्हें समय पर उपचार और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श मिल रहा है। कई मरीजों और तीमारदारों ने बताया कि कार्यवाहक सीएमएस स्वयं अस्पताल की व्यवस्थाओं की निगरानी करते हैं और समय-समय पर वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों से सीधे संवाद करते हैं। इससे अस्पताल की कार्यप्रणाली में सुधार के साथ कर्मचारियों की जवाबदेही भी बढ़ी है। कार्यवाहक सीएमएस डॉ.अरविंद आनंद ने कहा कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए अस्पताल प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। मरीजों की सुविधा और संतुष्टि के लिए अस्पताल प्रशासन निरंतर प्रयासरत है तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल प्रशासन के प्रयासों और नियमित निगरानी से स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे सुधार को लेकर मरीजों एवं उनके परिजनों ने संतोष व्यक्त किया है।

# रेलवे लाइन किनारे मिला अज्ञात युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

संवाददाता

**उन्नाव, उत्तर प्रदेश।** कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करीमुद्दीनपुर के निकट रेलवे लाइन के किनारे बुधवार को करीब 40 वर्षीय एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान कराने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। उसने नीले रंग की टी-शर्ट और नीले रंग की जींस पहन रखी थी तथा उसके हाथ में कलावा बंधा हुआ था। पुलिस ने आसपास के गांवों और स्थानीय लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई एवं पंचायतनामा की प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस युवक की पहचान के साथ उसकी मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। बांगरमऊ पुलिस चौकी प्रभारी न्यूटन सिंह ने बताया कि मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही उसकी मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, इसकी भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा और उसी के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# बांदा को ₹710 करोड़ की 229 विकास परियोजनाओं की सौगात, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया लोकार्पण और शिलान्यास

संवाददाता

**बांदा, उत्तर प्रदेश।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जनपद बांदा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 710 करोड़ से अधिक लागत की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को लगातार गति मिल रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' के अंतर्गत शिक्षकों और पात्र लाभार्थियों को कैशलेस हेल्थ कार्ड वितरित किए। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को नियुक्ति-पत्र, स्वीकृति-पत्र, प्रतीकात्मक चेक, आयुष्मान कार्ड और टूलकिट भी प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से उत्तर प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित राज्य बनाना है और इसी संकल्प के साथ प्रदेश के प्रत्येक जनपद में विकास परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बांदा के प्रसिद्ध शजर पत्थर का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां बांदा के शजर पत्थर को मंगा रही हैं और देश-विदेश में इसकी पहचान एक कीमती रत्न के रूप में हो रही है। उन्होंने कहा कि बांदा के शजर पत्थर को मिली वैश्विक पहचान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' यानी ओडीओपी विजन का परिणाम है। ओडीओपी योजना ने स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और परंपरागत उद्योगों को नई पहचान देने के साथ रोजगार एवं आर्थिक विकास के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बांदा की धरती वीरता, पराक्रम और गौरवशाली इतिहास की प्रतीक रही है। अपने वीरों और वीरांगनाओं को किस प्रकार सम्मान प्रदान किया जाता है, आज बांदा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग का उल्लेख करते हुए कहा कि कालिंजर का अजेय दुर्ग हमें अपने गौरवशाली इतिहास की याद दिलाने के साथ विजय पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं के माध्यम से बुंदेलखंड सहित पूरे उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि 710 करोड़ से अधिक की 229 विकास परियोजनाएं बांदा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ जिले के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार और जनता के सामूहिक प्रयासों से बांदा और बुंदेलखंड विकास की नई ऊंचाइयों को हासिल करेंगे तथा आत्मनिर्भर और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# 'श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा' के तहत शुक्लागंज से 173 श्रद्धालु अयोध्या धाम रवाना

संवाददाता

**उन्नाव, उत्तर प्रदेश।** शुक्लागंज से 173 श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या धाम के दर्शन के लिए रवाना किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा निजी संसाधनों से संचालित 'पंकज गुप्ता श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा' के तहत तीन बसों से श्रद्धालुओं को अयोध्या भेजा गया। विधायक की अनुपस्थिति में उनके पुत्र एवं युवा नेता प्रखर गुप्ता ने बसों को यात्रा के लिए रवाना किया। 'श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा' का उद्देश्य क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों और श्रद्धालुओं को निःशुल्क धार्मिक स्थलों के दर्शन कराना है। इसी क्रम में शुक्लागंज क्षेत्र के 173 श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा का अवसर प्रदान किया गया। इस अवसर पर युवा नेता प्रखर गुप्ता ने कहा कि बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों को प्रभु श्रीराम के दर्शन कराने का अवसर मिलना उनके परिवार के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि यह तीर्थाटन यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान, सेवा और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को समर्पित एक पावन अभियान है। प्रखर गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। इसी भावना के साथ सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा 'श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा' संचालित की जा रही है, ताकि आर्थिक या अन्य कारणों से धार्मिक स्थलों की यात्रा नहीं कर पाने वाले वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ दर्शन का अवसर मिल सके।अयोध्या धाम के लिए रवाना होते समय श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्तिभाव देखने को मिला। भगवान श्रीराम के जयकारों के बीच तीनों बसों को रवाना किया गया। यात्रा को लेकर बुजुर्ग श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। श्रद्धालुओं ने इस पहल के लिए सदर विधायक पंकज गुप्ता और उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निजी संसाधनों से वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा कराना समाज सेवा और बुजुर्गों के सम्मान का प्रेरणादायी उदाहरण है। इस अवसर पर विजयराज, सभासद नंदकुमार मिश्रा, संदीप सिंह, देवेंद्र पटेल, धीरज सिंह, प्रत्यय गुप्ता, अमरेंद्र गुप्ता और प्रदीप सिंह सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने श्रद्धालुओं की सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की। भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं से भरी बसें अयोध्या धाम के लिए रवाना हुईं।

# तृणमूल के तीन पूर्व राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल

संवाददाता

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। सॉल्टलेक स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य की उपस्थिति में तीनों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।तीनों नेता पूर्व में तृणमूल कांग्रेस की ओर से राज्यसभा के सदस्य रहे थे। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। इसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की चर्चा चल रही थी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और पश्चिम बंगाल के विकास में विश्वास व्यक्त करते हुए तीनों नेताओं ने भाजपा का दामन थामा है। उन्होंने कहा कि अब सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक की पहचान केवल भाजपा कार्यकर्ता के रूप में होगी। शमिक भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने जनता के साथ लूट और भ्रष्टाचार किया है, उनके लिए भाजपा के द्वार बंद हैं। वहीं, तृणमूल कांग्रेस में हाल के दिनों में सामने आए आंतरिक मतभेदों के बीच इन नेताओं का भाजपा में शामिल होना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# झांसी में मियावाकी वन विकसित करने की पहल

## कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने वृक्षारोपण कर किया शुभारंभ

■ **कम स्थान में तैयार होगा घना वन, पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम**

देवेश प्रताप सिंह राठौर

**झांसी, उत्तर प्रदेश।** विश्वविद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मियावाकी वन की स्थापना की पहल की गई है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर में जापानी मियावाकी पद्धति से घना वन विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की और उनके द्वारा वृक्षारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया। मियावाकी पद्धति के माध्यम से कम स्थान में अधिक घने और तेजी से विकसित होने वाले वन तैयार किए जाते हैं। इस तकनीक से लगाए गए पौधे पारंपरिक वृक्षारोपण की तुलना में तेजी से बढ़ते हैं। मियावाकी वन वायु प्रदूषण को कम करने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने पौधारोपण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मियावाकी वन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित विरासत साबित होगा। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए इस प्रकार के प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। कुलपति ने छात्र-छात्राओं से अपील की कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी लेना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. विनीत कुमार ने मियावाकी पद्धति की विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि इस तकनीक से पौधों का विकास सामान्य पद्धति की तुलना में तीन गुना तेजी से होता है और मियावाकी वन अधिक मात्रा में कार्बन अवशोषित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत सैकड़ों देशी प्रजातियों के फलदार, छायादार और औषधीय पौधे लगाए गए हैं। इन पौधों के विकसित होने से विश्वविद्यालय परिसर में हरियाली बढ़ने के साथ पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण में भी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में कुलसचिव ज्ञानेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी प्रमोद कुमार सिंह, कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. विनीत कुमार, सम्पत्ति अधिकारी प्रो. डी.के. भट्ट, फार्म मैनेजर डॉ. अवनीश दुबे और डॉ. हरपाल सिंह सहित कृषि विज्ञान संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कृषि विज्ञान संस्थान के शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं. १४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रूज (पूर्व), मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। **संपादक सुनील कुमार तिवारी,** RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, **संपादकीय कार्यालयः कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साईं बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob. 8898271111**